epaper.dehatsandesh.com

3 एसएसपी कठुआ ने सीसीटीएनएस लैब का निरीक्षण किया
5 300 वनडे खेलने वाले सातवें खिलाड़ी बने विराट कोहली
8 नर्सरी के व्यापार को कैसे शुरू करें

मौसम जम्मू न्यूनतम 10 अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-57 | जम्मू तवी, मंगलवार 04 मार्च, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

सरकार जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए प्रतिबद्धः उपराज्यपाल

जम्मू, 03 मार्च। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आज जम्मू में जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन अपने संबोधन के दौरान यह टिप्पणी की।

उपराज्यपाल ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है और हम इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी हितधारकों के साथ बातचीत जारी रखेंगे। उपराज्यपाल ने कहा कि सरकार कश्मीरी पंडितों की वापसी को सुगम बनाने और उनके लिए सुरक्षित और अनुकूल माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश में समय पर चुनाव सुनिश्चित करके पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उनकी यह टिप्पणी क्षेत्र में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों के बीच आई है जिसमें विपक्षी दल कई विवादास्पद मुद्दों पर सरकार को चुनौती देने के लिए कमर कस रहे हैं।

बजट सत्र जो आज उपराज्यपाल के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ में बहस होने की उम्मीद है क्योंकि भाजपा, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस सहित विपक्षी दल कई मुद्दों पर सरकार को घेरने के लिए तैयार हैं।

सत्र में प्रमुख मुद्दों में चुनाव प्रतिबद्धताएं, अनुच्छेद 370 को निरस्त करना और चल रहे

आरक्षण विवाद शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को शिक्षा का केंद्र बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सरकार समावेशिता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाओं के साथ स्कूलों को अपग्रेड कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षण केंद्रों को बढ़ाने और शिक्षकों को बेहतर बनाने के लिए मेरी सरकार स्कूलों में प्रभावी शिक्षण सुनिश्चित करने वाले शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को प्राथमिकता दे रही है।

विधानसभा को संबोधित करते हुए मनोज सिन्हा ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में सुधार करने और शिक्षकों की उपस्थिति को ट्रैक करने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए पर्याप्त सुविधाएं सुनिश्चित करते हुए कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उपराज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप छात्रों और शिक्षकों के अनुसंधान और विकास में उन्नति के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में डिजिटल बुनियादी ढांचा रखा जाएगा।

उपराज्याल सिन्हा ने कहा कि इसके अलावा नवाचार, इनक्यूबेशन और उद्यमियों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि छात्रों के बीच स्टार्ट-अप की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके और उन्हें विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए कौशल से लैस किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशासन उच्च शिक्षा क्षेत्र में रणनीतिक निवेश के साथ जम्मू और कश्मीर को एक शैक्षिक केंद्र में बदलने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आईआईटी और आईआईएम जम्मू अब चालू हो गए हैं और जम्मू विश्वविद्यालय ने ए. एनएएसी ग्रेड बरकरार रखा है जबकि इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईयूएसटी) कौशल विकास और नवाचार में अग्रणी है।

उपराज्यपाल ने कहा कि कश्मीर विश्वविद्यालय (केयू) के संकाय को वैश्विक वैज्ञानिकों के शीर्ष दो प्रतिशत में मान्यता दी गई है। उन्होंने कहा कि जम्मू विश्वविद्यालय और आईयूएसटी जैसे क्लस्टर संस्थान उच्च स्तरीय शोध में योगदान दे रहे हैं और पेटेंट भी हासिल कर रहे हैं।

फिलहाल भाजपा के साथ गठबंधन की कोई योजना नहीं : मुख्यमंत्री अब्दुल्ला

श्रीनगर, 03 मार्च। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट किया कि फिलहाल भाजपा के साथ गठबंधन की कोई योजना नहीं है।

उन्होंने पार्टी की अपनी राजनीतिक दृष्टि के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम भाजपा के साथ किसी गठबंधन की बात नहीं कर रहे हैं, न ही इसकी कोई गुंजाइश है और न ही इसकी जरूरत है। हमारे विचार भी मेल नहीं खाते। अगर हम जम्मू-कश्मीर की बात करें तो हमारे विचार काफी अलग हैं। उन्होंने कहा कि हम सत्र के दौरान हर चीज पर चर्चा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पहले बजट सत्र को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की प्रशंसा की और भारत की आर्थिक वृद्धि और प्रमुख कल्याणकारी पहलों में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह जब केन्द्रीय वित्त मंत्री बने तो हमारा देश आर्थिक संकट से गुजर रहा था। आज हम भारत की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं।

आज निजी क्षेत्र विकसित हो रहा है, क्योंकि लाइसेंस राज बंद हो गया है। उमर ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने

इंदिरा आवास योजना, मनरेगा जैसी पहल की। उन्होंने मनमोहन सिंह की विदाई प्रेस कॉन्फ्रेंस को याद करते हुए कहा कि मनमोहन ने अपनी आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि इतिहास मेरे बारे में समकालीन समय से बेहतर जज करेगा। सभी विश्व नेता उनका सम्मान करते थे।

उन्होंने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की विनम्रता को प्रदर्शित करने वाली एक घटना को याद करते हुए कहा कि मुझे याद है कि मैंने उन्हें (मनमोहन) किसी मुद्दे पर एक पत्र लिखा था और उसका एक साक्षात्कार में जिक्र कर दिया था। इस पर उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि यह सही नहीं है कि आपने प्रेस में इस मुद्दे को उठाया। मैंने उनसे कहा कि मैंने ऐसा नहीं किया है, लेकिन 15 मिनट के बाद उन्होंने वापस फोन किया और माफी मांगी, वह पीएम थे और उन्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं थी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ और मनमोहन सिंह ने कश्मीर मुद्दे को सुलझाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

मनमोहन सिंह के कार्यकाल में शुरू की गई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि कार्य समूह बनाए गए और कश्मीरी पंडितों के लिए नौकरियां पैदा की गईं और वह कश्मीर वापस चले गए। कश्मीरी पंडित प्रवासियों के लिए जगती टाउनशिप उनके समय में बनाई गई।

मनमोहन सिंह ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग शुरू किया। आज हम बनिहाल के लिए ट्रेन का उद्घाटन करने का इंतजार कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत मनमोहन सिंह के समय में हुई थी और उन्होंने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का काम शुरू किया था।

एनडीपीएस मामले में वांछित आरोपी को पकड़ा, प्रतिबंधित सामान और नकदी जब्त

श्रीनगर, 3 मार्च। पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में पुलवामा पुलिस ने मुख्तार अहमद भट पुत्र घ रसूल भट निवासी राख लाजूरा को गिरफ्तार किया जो पुलिस स्टेशन लिटर के केस एफआईआर नंबर 93/2024 यू/एस 8/22 एनडीपीएस एक्ट में वांछित था। आरोपी को पलपोरा में एक नाके पर रोका गया जहाँ उसके पास 102 ग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ और 1,00,000 रुपये की भारतीय मुद्रा मिली जिसमें 100 और 500 के नोट शामिल थे। इसके अलावा ऑपरेशन के दौरान बिना रजिस्ट्रेशन नंबर वाली हुंडई क्रेटा भी जब्त की गई। पुलवामा पुलिस मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के अपने मिशन के लिए प्रतिबद्ध है और जनता से नशा मुक्त समाज बनाने में मदद करने के लिए किसी भी नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों की रिपोर्ट करने का आग्रह करती है।

पुलिस ने 4 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया प्रतिबंधित पदार्थ बरामद

श्रीनगर, 3 मार्च। समाज से ड्रग के खतरे को खत्म करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए पुलिस ने शोपियां, कुलगाम और बडगाम में 4 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए। शोपियां में नागेशरण क्रॉसिंग पर स्थापित एक चेकपॉइंट पर शोपियां पुलिस स्टेशन की एक पुलिस पार्टी ने पंजीकरण संख्या जेके 02सी-8316 वाली एक मोटरसाइकिल को रोका। जांच के दौरान मोटरसाइकिल के प्राथमिक उपचार उपकरण किट से चरस पाउडर जैसा प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया गया। पीछे बैठे लोगों ने अपनी पहचान मोहम्मद लतीफ मलिक पुत्र मोहम्मद यूसुफ निवासी बोंगम शोपियां और तौसीफ मुश्ताक पुत्र मुश्ताक अहमद वागे निवासी न्यू कॉलोनी लारगाम के रूप में बताई। कुलम में खुदवानी बाईपास पर स्थापित एक चेकपॉइंट पर पुलिस स्टेशन कैमोह की एक पुलिस टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी लेने पर उसके पास से बैग में भरा 2.5 किलोग्राम गांजा जैसा पदार्थ बरामद हुआ। उसकी पहचान मोहम्मद अमीन भट पुत्र मोहम्मद अब्दुल्ला भट निवासी शमसीपोरा बिजभारा के रूप में हुई है। इसी तरह बडगाम में बीरवाह थाने की पुलिस पार्टी ने रंकीपोरा में नाके पर एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका जिसने पुलिस पार्टी को देखकर भागने की कोशिश की लेकिन उसे चतुराई से पकड़ लिया गया। उसकी पहचान मोहम्मद सलीम शाह पुत्र मुश्ताक अहमद शाह निवासी पटी सैल बीरवाह के रूप में हुई है।

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग यातायात के लिए खुला

जम्मू, 2 मार्च। आज सुबह से जारी बारिश के बावजूद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए खुला है। दोनों तरफ से यात्री वाहन चल रहे हैं। हालांकि श्रीनगर से जम्मू की ओर जाने वाले बडे वाहन चल रहे हैं।

यात्रियों को सलाह दी गई है कि वह लेन अनुशासन का पालन करें क्योंकि ओवरटेक करने से जाम की स्थिति पैदा होगी। यातायात अधिकारियों ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे दिन के समय जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा करें और रामबन और बनिहाल के बीच अनावश्यक ठहराव से बचें क्योंकि भूस्खल व पत्थर गिरने की आशंका है।

साल 2014 के बाद रेलवे में सूचीबद्ध सभी सातों सार्वजनिक उपक्रमों को नवरत्न का दर्जा मिला : वैष्णव

नई दिल्ली, 3 मार्च। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) और भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) को नवरत्न कंपनियों के रूप में अपग्रेड करने के सरकार के फैसले पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद रेलवे में सूचीबद्ध सभी सातों सार्वजनिक उपक्रमों को नवरत्न का दर्जा मिल गया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल भवन में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह बताते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है कि रेलवे के सभी सात सूचीबद्ध सार्वजनिक उपक्रमों को आज नवरत्न का दर्जा मिल गया है। यह सब 2014 के बाद हुआ है। यह एक बड़ी उपलब्धि है और यह दर्शाता है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रेलवे में बदलाव लाने पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जब रेलवे से जुड़ा कोई संगठन मजबूत होता है, तो इसका मतलब है कि वह रेलवे के विकास में अधिक योगदान दे सकता है।

त्वरित न्याय सुनिश्चित करना है तीन नए आपराधिक कानूनों की प्राथमिकताः अमित शाह

नई दिल्ली, 3 मार्च। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के साथ राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव, गोवा के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएडंडी) के महानिदेशक, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के निदेशक सहित गृह मंत्रालय और गोवा सरकार के

वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में चर्चा के दौरान गृहमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों की प्राथमिकता त्वरित न्याय सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि तीन नए आपराधिक कानूनों के अमल के मामले में गोवा देश में आदर्श राज्य बने। उन्होंने कहा कि त्वरित न्याय दिलाने के लिए जांच और अभियोजन में समययसीमा का सख्ती से पालन होना चाहिए। सात वर्ष से अधिक सज़ा के प्रावधान वाले अपराधों में दोषसिद्धि के प्रमाण को 90 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखने की आवश्यकता है। गृह मंत्री ने ई-साक्ष्य पर सभी जांच अधिकारियों के रजिस्ट्रेशन की ज़रूरत पर बल दिया। उन्होंने गोवा में ई-समन को 31 मार्च तक पूरी तरह लागू करने का निर्देश दिया।

विधानसभा ने बजट सत्र के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, अन्य पूर्व सांसदों और विधायकों को दी श्रद्धांजलि

जम्मू, 03 मार्च। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने आज बजट सत्र में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, अन्य पूर्व सांसदों और विधायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई जिनका पिछले सत्र के बाद निधन हो गया।

श्रद्धांजलि के दौरान अध्यक्ष ने देश की अर्थव्यवस्था को आकार देने में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के योगदान को याद किया। उन्होंने उन्हें एक राजनेता के रूप में याद किया जिनका इस राष्ट्र के लिए योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। अध्यक्ष ने पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री, सैयद गुलाम हुसैन गिलानी, शमशेर सिंह मन्हास, पूर्व विधायक गुलाम हसन पर्रे और चौधरी पैरा सिंह को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा के दौरान विधायक मुबारक गुल, शाम लाल शर्मा, डॉ. नरिंदर सिंह, डॉ. बशीर अहमद शाह वीरी, गुलाम अहमद मीर, मोहम्मद यूसुफ तारिगामी, अब्दुल मजीद लारमी, मोहम्मद रफीक नाइकू, विक्रम रंधावा, निजामुद्दीन भट, सतीश कुमार शर्मा और इफ्तिखार अहमद ने भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और पिछले सत्र के बाद से दिवंगत हुए अन्य पूर्व सांसदों और विधायकों को श्रद्धांजलि दी। अध्यक्ष और सदन के सदस्यों ने उनकी स्मृति में दो मिनट का मौन भी रखा।

जम्मू-कश्मीर निकाय चुनाव में मध्य प्रदेश करेगा मदद, दोनों राज्यों के निर्वाचन आयोग के बीच हुआ एमओयू

भोपाल, 03 मार्च। राज्य निर्वाचन आयुक्तों की 31वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस के तीसरे दिन सोमवार को मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग और जम्मू-कश्मीर राज्य निर्वाचन आयोग के बीच एमओयू किया गया। मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर में होने वाले नगरीय निकाय निर्वाचन की प्रक्रिया को सशक्त करने में मदद करेगा। नेशनल कांफ्रेंस में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने प्रेजेंटेशन दिया।

एमओयू के तहत मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग जम्मू और कश्मीर में होने वाले आगामी नगरीय निकाय चुनाव में 7 हजार ईवीएम और अन्य उपकरण उपलब्ध कराने के साथ ही पोलिंग स्टाफ को ट्रेनिंग भी दिलाएगा। इसके साथ ही मध्य प्रदेश में किए गए नवाचारों को जम्मू और कश्मीर में लागू करवाने के लिए प्रयास करेगा। साथ ही पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित बूथों पर पेपर लेस बूथ की प्रक्रिया अपनाने में मदद करेगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव की उपस्थिति में एमओयू में मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव अभिषेक सिंह और जम्मू-कश्मीर राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव सुशील कुमार ने हस्ताक्षर किए। सचिव सुशील कुमार ने मध्य प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त को इस एमओयू के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अब हमारे राज्य में सुगमता से नगरीय निकाय निर्वाचन कराने में मदद मिलेगी।

गोवंश तस्करी की कोशिश नाकाम 3 गोवंश बचाए गए

जम्मू, 3 मार्च। जम्मू पुलिस ने ऑपरेशन कामधेनु के तहत गोवंश तस्करों के खिलाफ शिकंजा कसते हुए चौकी चौरा की पुलिस टीम ने गोवंश तस्करी के एक प्रयास को नाकाम कर दिया है, जिसमें एक वाहन से 3 गोवंश बचाए गए

चौकी चौरा नाका पर पंजीकरण संख्या डीएल 9सीएक्स-5844 वाली स्विफ्ट कार। वाहन का चालक मौके से भाग गया 3 गोवंश बचाए गए और वाहन जब्त कर लिया गया।

इस संबंध में पुलिस स्टेशन अखनूर में कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। आगे की जांच जारी है।

उपराज्यपाल का भाषण संभावित भाषण से अलग नहीं है : सज्जाद गनी लोन

श्रीनगर, 3 मार्च। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन ने सोमवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के भाषण को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधा और कहा कि यह संभावित भाषण से अलग नहीं है।

एक्स के माध्यम से लोन ने कहा कि उपराज्यपाल का संबोधन संभावित भाजपा के भाषण से अलग नहीं है, अगर वे सत्ता में होते। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से वैचारिक ओवरलैप लगता है। उन्होंने कहा कि भाषण में अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35 ए के बारे में दूर-दूर तक बात नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2019 का कोई उल्लेख नहीं है। पुनर्गठन अधिनियम का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल का भाषण निर्वाचित सरकार द्वारा अपनी नीति और उपलब्धियों को रेखांकित करने के लिए तैयार किया गया है। लोन ने कहा कि एनसी सरकार ने आखिरकार अलंकरणवाद से छुटकारा पा लिया है।

उन्होंने कहा कि वह यह दिखावा भी नहीं करना चाहते हैं कि उनका अनुच्छेद 370 से कोई लेना-देना है। मुझे याद है कि चुनाव प्रचार के दौरान सब कुछ अनुच्छेद 370 के बारे में था। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल का संबोधन सरकार का एक दूरदर्शी बयान है। उन्होंने कहा कि अगर यह संबोधन सरकार का एक दूरदर्शी बयान है, तो यह जितना दूरदर्शी हो सकता है, उतना ही दूरदर्शी है। यह किसी भी नई राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक पहल के बिना एक सामान्यीकृत विभागीय बयान है। इसलिए शासन के एक लक्ष्यहीन, दूरदर्शी दौर के लिए तैयार रहें जिसमें दृष्टिकोण या रचनात्मकता में कोई नयापन नहीं होगा।

हटली और नगरी क्षेत्र में अवैध खनन में लिप्त 6 डंपर जब्त

कठुआ 03 मार्च। अवैध खनन और खनिजों के परिवहन पर नकेल कसते हुए कठुआ पुलिस ने हटली और नगरी क्षेत्र में अवैध खनन में लिप्त 06 डंपर जब्त किए।

डीएसपी मुख्यालय कठुआ रविंदर सिंह और एसएचओ पुलिस स्टेशन कठुआ इंस्पेक्टर संदीप चिब के मार्गदर्शन में प्रभारी पुलिस पोस्ट हटली पीएसआई शुभम महाजन और प्रभारी पुलिस पोस्ट नगरी पीएसआई रविंदर ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस पोस्ट हटली और पुलिस पोस्ट नगरी की पुलिस टीमों ने अपने अधिकार क्षेत्र में एनएचडब्ल्यू हटली और नगरी क्षेत्र में गश्त के दौरान पीबी02बीवी-1813, पीबी02ईपी-2355, पीबी02ईएस-3677, पीबी02ईई-6130, जेके02डीके-4402 और जेके02सीआर-8287 को अवैध खनन में बिना किसी कानूनी अनुमति के लिप्त होने पर जब्त कर लिया। इस बीच अवैध खनन में लिप्त सभी 06 डंपरों को जब्त कर लिया

जम्मू-कश्मीर में एनसी भाजपा के विस्तार के रूप में काम कर रही है : महबूबा

श्रीनगर, 3 मार्च। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सरकार पर जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विस्तार के रूप में काम करने का आरोप लगाया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि एनसी पिछले छह वर्षों में भाजपा के कार्यों को वैध बनाने का प्रयास कर रही है जिसमें अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करना भी शामिल है।

महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दुर्भाग्य से ऐसा लगता है कि भाजपा का एजेंडा, जम्मू-कश्मीर के बारे में उनकी नीति, सत्तारूढ़ सरकार का विस्तार बन गई है जिसे भारी बहुमत से चुना गया था। जिन चीजों के लिए हम आवाज उठाते

थे जो असंवैधानिक हैं, ऐसा लगता है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के लोग हाल के वर्षों में हुई उन चीजों को वैध बनाने की होड़ में हैं। उन्होंने बजट सत्र के पहले दिन उपराज्यपाल के अभिभाषण की आलोचना की और निराशा व्यक्त की कि इसमें जम्मू-कश्मीर के लोगों के सामने आ रहे अधिकारों के हनन के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल के अभिभाषण में उस प्रस्ताव का कोई जिक्र नहीं था जिसके बारे में एनसी का दावा है कि वे अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए लाए थे। इस कैबिनेट ने इसे लाने की हिम्मत भी नहीं की। हम और क्या कह सकते हैं मुफ्ती ने उमर अब्दुल्ला पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कोई भी उनसे दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बनने के लिए नहीं कह रहा है लेकिन उन्हें कम से कम अपने लोगों के अधिकारों के लिए खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कहते हैं कि मैं केजरीवाल नहीं बनना चाहता। कोई भी उनसे केजरीवाल बनने के लिए नहीं कह रहा है लेकिन भगवान के लिए अपने लोगों के अधिकारों के लिए खड़े हों। मुफ्ती ने कहा कि भाजपा तब भी अनुच्छेद 370 के उन्मूलन के मुद्दों को उठाती रही है जब उसके पास कोई शक्ति नहीं थी। उमर साहब कहते हैं कि वह इसे (अनुच्छेद 370) भाजपा से कैसे प्राप्त करेंगे।

इस तरह करने पर आपके हाथ रहे कोमल और सुंदर

हाथों के सौंदर्य के प्रति भी सजग एवं सतर्क रहना जरूरी है। हाथों की कोमलता, उनकी त्वचा और देखभाल ऐसी हो कि लोगों के सामने हाथ बढ़ाना पड़े तो शर्मिंदगी न उठानी पड़े। घर का कामकाज टाला नहीं जा सकता पर इसका अर्थ यह नहीं कि हाथों की उपेक्षा की जाए।

साधारण हाथों का रखरखाव यदि ठीक ढंग से हो तो भी वे सभी का ध्यान आर्ज़षित कर सकते हैं। हाथों की देखभाल करना बहुत आसान है, पर इसके लिए जरूरी है इनकी नियमित देखभाल। हाथ सुंदर लगने के लिए सबसे जरूरी है- हाथों की त्वचा कोमल हो, उंगलियों का आकार सुंदर हो, उंगलियों के नाखून सुंदर हों। हाथों को सुंदर बनाने के लिए इन सब बातों पर अमल करें :

- हाथ धोने के बाद पानी अच्छी तरह पोंछना न भूलें। हाथों का तैलीए तत्व बना रहे, इसके लिए धोने के तुरंत बाद उन पर क्रीम लगाएं।
- हाथों की त्वचा के दाग हटाने व रंग निखारने के लिए नींबू का प्रयोग करें। रात को दूध की क्रीम में थोड़ा-सा नींबू का रस मिलाकर हाथों पर मलकर सोएं। अधिक बेहतरी के लिए ग्लिसरीन भी मिला सकती हैं।
- गर्म पानी, साबुन तथा सोडे आदि में हाथ डुबोने पड़ें तो उसका दुष्प्रभाव दूर करने के लिए एक बड़ा चमच सिरका या नींबू मिले पानी से हाथ धोएं।
- रात को सोते समय हमेशा किसी लोशन या क्रीम का प्रयोग करें।
- ग्लिसरीन के साथ गुलाबजल या खीरे का रस मिलाकर लगाएं। यह सस्ता भी है और फायेदमंद भी।
- उंगलियों का नियमित व्यायाम और मालिश करें। प्रत्येक उंगली को एक-एक करके, दूसरे हाथ के अंगूठे तथा उंगलियों के बीच दबाकर नाखून से नीचे की ओर दबाते हुए मालिश करें।
- हाथों की उंगलियों एवं नाखूनों के रख-रखाव हेतु हते में एक बार अवश्य वक्त निकालें। मैनीक्योर द्वारा हाथों की संपूर्ण सुंदरता को कायम रखा जा सकता है। सबसे पहले थोड़े गुनगुने पानी में थोड़ा शैपू घोल लें। झाग में 5 मिनट तक हाथ डुबोए रखें। हो सके तो उसमें बोरेक्स डालें। इससे हाथों की कोमलता बढ़ेगी। हाथों के नाखून साफ करें। आसपास की मृत त्वचा सफेद होकर उभर आएगी जिसे आप आसानी से खुरदरे कपड़े से हटा सकती हैं।
- हाथों और नाखूनों को साफ कर सुखाने के पश्चात नेलकटर से नाखूनों को गोल आकार दें।
- क्यूटिकल पुशर या सींक पर रूई लपेटकर रिमूवर में भिगो कर धीरे-धीरे त्वचा को पीछे की ओर खिसकाएं। यह कार्य बहुत दक्षता तथा आराम से करना चाहिए वरना त्वचा के किनारे फट सकते हैं। नाखूनों पर खरोंच लगने से उनकी चिकनाहट कम हो जाती है।
- नाखूनों को आकार देते समय अर्द्धचंद्र का आकार भी अपनाएं। इससे नाखूनों का आकार स्वाभाविक लगता है।
- नाखूनों पर पालिश करने से नाखून जल्दी नहीं टूटते तथा सुंदर लगते हैं। एक बार नेल पालिश लगाने के बाद नेल पालिश सूखने के बाद, तब दोबारा उस पर नेल पालिश लगाएं। उससे नाखून भी सुरक्षित रहते हैं। नेल पालिश भी इकसार तथा चमकीली लगती है।

* नाखूनों की मजबूती के लिए उन पर नींबू का छिलका रगड़ें। * नाखूनों को बेतरतीब ढंग से बढ़ाकर न रखें।
* रात को सोते समय नाखूनों पर क्यूटिक क्रीम से मालिश करें। इससे नाखून मुलायम तथा लचीले रहते हैं।

चेहरे की खूबसूरती बनाएं रखने के लिए अपनाएं ये दादी मां के घरेलू नुस्खे

आपने कभी अपनी नानी मां और दादी मां के चेहरों को ध्यान से देखा है कि उनके चेहरों पर कितनी रौनक रहती है। उनके चेहरे पर न तो झुर्रियां और न ही कोई दाग धब्बा दिखाई देता है। जिससे उनकी उम्र का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। आखिर इस बात का क्या राज है जो दादी मां छुपा रहीं हैं।

आज हम आपको बताने वाले हैं कि दादी मां और नानी मां की खुबसूरती का क्या राज है। ब्यूटी एक्सपर्ट्स का कहना हैं कि हमारी दादी और नानी मां को प्राकृतिक चीजों पर पूरा यकीन था। उन्होंने अपनी खुबसूरती के लिए एक रुपया भी खर्च नहीं किया। आपको बता दें कि आजकल बाजारों में कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स आते हैं और लड़कियों इनके चकरों में पड़कर अपना चेहरा खराब कर लेती हैं। आज हम आपको दादी और नानी मां के उन घरेलु नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके बारे में किसी को भी पता नहीं है।

- अगर आप लंबे समय तक जवान दिखना चाहती हैं तो हमेशा पीठ के बल लेटें। पेट के बल सोने से आपके चेहरे पर झुर्रियां आ सकती हैं, जिसके कारण आप की सूहसूरती खराब हो जाती है और आपकी उम्र ज्यादा लगती है।
- जब भी आप अपने चेहरे की मसाज करें या फिर साफ करें तो चेहरे को कोमलता से छुएं। अगर आप चेहरे को रगड़-रगड़ कर साफ करेंगे तो आपकी आंखों के नीचे काले घेरे हो जाएंगे। ऐसे में चेहरे की मसाज हमेशा ऊपर की ओर करें।
- हर किसी को बालों को लेकर बहुत सी समस्याएं होती हैं। ऐसे में आप नारियल के तेल से बालों की मसाज करें, जिसे आपके बाल मजबूत बनते हैं।
- नींद हमेशा अच्छी और पूरी लेनी चाहिए तभी आपके चेहरे से बुढापा जाएगा।
- अपने खान-पान पर ध्यान दें। बाहर का खाना कम खाएं। चेहरे की सुंदरता बनाए रखने के लिए ताजे फल सब्जियों का सेवन करें।
- चेहरे पर जमी गंदगी आपके चेहरे को काला कर देती है। इसलिए घर में बनाए हुए स्क्रब से हफ्ते में दो बार स्क्रब जरूर करें ताकि आपके चेहरे में ग्लो आ सकें।
- खुद की स्किन से प्यार करें और उसकी अच्छे से देखभाल करें।

बालों में ऑयल चम्मी करने के फायदें

सिर पर तेल से चम्मी करने से बालों में मजबूती आती है और ग्रोथ भी बढ़ती है लेकिन अगर इन्हें लगाकर बाल ढंग से साफ न किए जाएं तो बालों को नुकसान भी पहुंचता है। सरसों का तेल बालों में लगाने से बाल मजबूत और सफेद कम होते हैं लेकिन एक इसकी एक समस्या यह होती है कि बालों में तेल पड़ा होने पर उनमें गंदगी ज्यादा चिपकती है और सही से न धोने पर वह झड़ना शुरू हो जाते है। तेल लगाने के बाद बालों को गुनगुने-कोसे पानी से धोएं ताकि पूरा तेल और चिपक पन निकल जाएं। 1. अगर आपके बाल रूखें है तो हर दिन बालों में ऑयल लगाएं। इससे बालों का रूखापन समाप्त हो जाएगा। 2. तेल लगाने से बालों में शाइन आती है। और बाल मुलायम होते हैं। 3. बालों में तेल लगा होने से गंदगी सीधे नहीं लगती बल्कि तेल वाले बालों में चिपक जाती है। जिसके कारण बालों को धोना बहुत जरूरी हो जाता है। इसी के साथ यह पराबैंगनी किरणों से भी बालों को बचाती है। 4. नियमित तेल लगाने से बाल जल्दी सफेद नहीं होते। हर दिन रात को 10 मिनट तेल लगाकर अच्छी तरह से मसाज करें। इससे बालों की जड़ों को पूरा पोषण मिलता है। 5. रोज तेल लगाने से रूसी की समस्या दूर होती है। 6. बालों में तेल डालने से बालों को प्रोटीन मिलता है, जिससे वो मजबूत बनते हैं। 7. बहुत सारी लड़कियों को लड़कियां लंबे बालों की शौकीन हैं वो सबसे पहले अपने बालों को मजबूत बनाएं और उन्?हें तेल लगाकर पोषित करें।

इन घरेलू नुस्खों से कुछ ही मिनटों में हटाएं हाथों से मेहंदी का दाग

आजकल हर लड़की मेहंदी या हिना को किसी समारोह व शादियों में अपनी हथेलियों पर लगाती है। यह हिना पेड़ के पत्तों से निकाली जाती है जिसको लगाने से यह हथेली की ऊपरी सतह के अंदर रिस जाती है। इसकी कुछ दिनों तक आपकी हथेली पर छाप बनी रहती है। कभी-कभी आपको कुछ कारणों से मेहंदी या हिना की छाप को हटाना पडता है। इसलिए आज हम आपकों मेहंदी के दाग को एक दिन में हटाने के लिए ये घरेलू अचूक और कारगर तरीकों के बारे में बताएगें जिनसे हिना के दाग को आसानी से हटाया जा सकता है।

1. ऑलिव ऑयल (Olive oil)
अगर आप हाथों पर लगी मेहंदी को हटाना चाहती हैं तो ऑलिव ऑयल को बाउल में निकाल कर उसमें रूई को डुबोकर इसमें निचोड़ कर मेहंदी पर 10 मिनट तक लगा रहने दें और बाद में गुनगुने पानी से धो लें।

2. क्लोरीन (ष्द्धद्यश्वह्लठ्ठद्ग)
हिना के दाग को हटाने के लिए हाथों को क्लोरीन और पानी के मिश्रण में कम से कम 5 मिनट तक डुबो कर रखें और बाद में ठंडे पानी से धो लें।

3. बेकिंग सोडा (Baking soda) हाथों से मेहंदी के दाग हटाने के लिए एक कटोरी में 3 बड़े चम्मच बेकिंग सोडा और नींबू का रस मिलाकर मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को हाथों में 10 मिनट लगाकर हथेलियों को अच्छे से रगड़ें। जब रगड़ने से मेहंदी के दाग हटा जाए तो हाथों को गुनगुने पानी से धो लें।

4. ब्लीचिंग पाउडर (Bleaching powder)
ब्लीचिंग पाउडर को हाथों पर लगाने से आसानी से हिना के दाग को हटाया जा सकता है। मेंहदी के दाग को हटाने के लिए ब्लीचिंग पाउडर की एक मोटी परत डिज़ाइन पर लगाएं और सूखने दें। इसे दो से तीन बार लगाने से हिना के दाग आसानी से हट जाते है।

5. आलू का जूस (Potato juice)
अगर आप 1 दिन में हिना का दाग हटाना चाहते हैं तो आलू के जूस से हथेली पर मसाज करें और इसे सूखने दें। सूखने के बाद में हाथों को गुनगुने पानी से धो लें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

यशपाल निर्मल अनुवाद के लिए डॉ. गार्गी गुप्ता द्विवागीश पुरस्कार से सम्मानित

जम्मू। प्रख्यात अनुवादक और वरिष्ठ डोगरी साहित्यकार यशपाल निर्मल को हिंदी-डोगरी-हिंदी भाषाओं में अनुवाद साहित्य के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय योगदान के लिए भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए प्रतिष्ठित डॉ. गार्गी गुप्ता द्विवागीश पुरस्कार से सम्मानित और पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार समारोह भारतीय विद्या भवन सभागार, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिण परिसर, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह मुख्य अतिथि थे, जबकि प्रो. नंदिनी साहू, कुलपति, हिंदी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल ने समारोह की अध्यक्षता की और प्रख्यात साहित्यकार और अनुवादक सुश्री नासिरा शर्मा विशेष अतिथि थीं, जबकि प्रो. पूरन चंद टंडन, महासचिव भारतीय अनुवाद परिषद और सुश्री संतोष खन्ना उपाध्यक्ष भारतीय अनुवाद परिषद, श्री कृष्ण गोपाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष भारतीय अनुवाद परिषद ने भी मंच साझा किया।

अन्य अनुवादकों में यशपाल निर्मल को 21000/- रुपये की पुरस्कार राशि, शॉल, प्रशस्ति पत्र, देवी माता सरस्वती का स्मृति चिह्न और अविस्मरणीय सम्मान से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार के निर्णायक मंडल में सुप्रसिद्ध भाषाविद् एवं अनुवाद विशेषज्ञ तथा प्रख्यात साहित्यकार डॉ. नासिरा शर्मा, इग्नू की पूर्व कुलपति तथा वर्तमान में पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा की कुलपति प्रो. किरण हजारिका तथा साहित्य अकादमी, भारत सरकार की सचिव श्री श्रीनिवास राव, भारतीय अनुवाद परिषद के महासचिव प्रो. पूरन चंद टंडन, उपाध्यक्ष श्री कृष्ण गोपाल अग्रवाल तथा भारतीय अनुवाद परिषद की कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. हरीश कुमार सेठी शामिल थे।

एसएसपी कठुआ ने सीसीटीएनएस लैब का निरीक्षण किया

कठुआ 03 मार्च (हि.स.)। एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना आईपीएस ने पुलिस स्टेशन लखनपुर में अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम और डेटा फीडिंग प्रक्रिया का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसएसपी कठुआ ने सीसीटीएनएस ऑपरेटरों को निर्देश दिया कि वे वास्तविक समय में सीसीटीएनएस (सीएएस) में डेटा फीड करें ताकि अपराध और मामलों की समय पर और सटीक ट्रैकिंग सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा एसएसपी कठुआ ने जांच अधिकारियों और मुंशियों को केवल सीसीटीएनएस ऑपरेटरों पर निर्भर रहने के बजाय खुद डेटा दर्ज करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल पुलिसिंग ही आगे बढ़ने का रास्ता है, जो कानून प्रवर्तन को आधुनिक बनाने के भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इसके अलावा एसएसपी कठुआ ने आईओ और कर्मचारियों से बातचीत की, उन्हें सीसीटीएनएस, ई-साक्ष्य और ई-समन पर ध्यान केंद्रित करने और आईसीजेएस के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी और सेवा सहायता संगठन, राष्ट्रीय डेटा साझाकरण और संचालन के व्यापक उपयोग का निर्देश दिया।

जीडीसी कठुआ में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

कठुआ 03 मार्च (हि.स.)। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य पर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कठुआ में भौतिकी विभाग ने वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देने और विज्ञान के क्षेत्र में छात्रों की रुचि को प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी सीवी रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था, जिसके लिए उन्हें 1930 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार मिला था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व के बारे में जानने और आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करना था। क्विज प्रतियोगिता में यूजी सेमेस्टर-6 के अक्रांत शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि शालिनी शर्मा तथा इशिता पड़ताल ने दूसरा तथा तीसरा स्थान प्राप्त किया। निशांत शर्मा, उदित शर्मा और देवांग शर्मा को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसके बाद धन्यवाद ज्ञापन हुआ।

कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर सीमा मीर ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। प्रिंसिपल ने कहा कि हमारे विद्यार्थियों को विज्ञान में सक्रिय रुचि लेते देखना प्रेरणादायक है। भौतिकी विभाग के प्रमुख डॉ. दिनेश जसरोटिया ने भावी वैज्ञानिकों को प्रेरित करने में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर बल दिया। क्विज का डिजाइन तथा संचालन सहायक प्रोफेसर प्रोफेसर अजय शर्मा, डॉ. अहसान इलाही, डॉ. शिवाली शर्मा तथा डॉ. गोपाल शर्मा की टीम ने कॉलेज के आईक्यूएसी समन्वयक प्रोफेसर रविंदर कौर की देखरेख में किया। भौतिकी विभाग के प्रोफेसर राकेश शर्मा, डॉ. नीरज गुप्ता तथा डॉ. दया राम ने विषयगत दृष्टिकोण प्रदान किए।

आधुनिक शिक्षण पद्धतियों पर व्याख्यान का आयोजन

जम्मू, 3 मार्च (हि.स.)। आरबी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, राजबाग, कठुआ ने रिफ्लेक्टिव कोलैबोरेटिव एजुकेशन मॉडल (आरसीईएम) और सीखने के लिए कंस्ट्रक्टिविज्म दृष्टिकोण पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। प्रतिष्ठित वक्ताओं, डॉ. मीनाक्षी चौधरी और प्रो. रचना भगत ने छात्र-केंद्रित सीखने और सहयोगी शिक्षण रणनीतियों पर अंतर्दृष्टि साझा की।

डॉ. चौधरी ने सक्रिय ज्ञान निर्माण पर जोर दिया जबकि प्रो. भगत ने शिक्षा में प्रतिबिंब और सहयोग की भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रिंसिपल डॉ. सलोनिका राणा ने मेहमानों का स्वागत किया और सत्र का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ जिससे छात्रों और शिक्षकों को अभिनव शिक्षण दृष्टिकोणों से समृद्ध किया गया।

होलाष्टक 7 मार्च से होंगे प्रारंभ, 14 मार्च को होंगे समाप्त

जम्मू, 3 मार्च (हि.स.)। जम्मू फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से लेकर फाल्गुन पूर्णिमा तक होलाष्टक रहता है। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष, ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि होली के पर्व से आठ दिन पहले होलाष्टक प्रारंभ होते हैं। इस वर्ष होलाष्टक 07 मार्च (शुक्रवार) से शुरू होकर 14 मार्च (शुक्रवार) को समाप्त होंगे।

धर्म से जुड़ी धार्मिक किंवदंतियों के अनुसार, होली से ठीक आठ दिन पहले विवाह, गृह प्रवेश, यज्ञ-हवन, सगाई, मुंडन संस्कार और अन्य शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं। इन आठ दिनों को होलाष्टक कहा जाता है। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि होलाष्टक केवल देश के कुछ क्षेत्रों में ही प्रचलित है। आइए जानते हैं कि यह किन स्थानों पर मनाया जाता है और कहां नहीं।

जम्मू पुलिस ने डोमाना इलाके में चोरी हुआ ट्रैक्टर बरामद किया

जम्मू, 3 मार्च (हि.स.)। पुलिस पोस्ट (पीपी) पौनी चक जम्मू ने एक त्वरित और प्रभावी अभियान में चोरी हुए ट्रैक्टर को सफलतापूर्वक बरामद किया।

10 फरवरी, 2025 को बोध राज पुत्र रौधु राम निवासी पूरन दे कोठे घोऊ मन्हासन ने अपने ट्रैक्टर की चोरी के संबंध में पुलिस स्टेशन पुलिस स्टेशन (पी/एस) डोमाना में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एफआईआर नंबर 47/25 यू/एस 303 2 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

एसएचओ डोमाना की कमान में आई/सीपीपी के नेतृत्व में पीपी पौनी चक की एक पुलिस टीम ने अथक परिश्रम किया और उनके समर्पित प्रयासों से ट्रैक्टर की सफलतापूर्वक बरामदगी हुई।

अधिकारियों ने अपराध से निपटने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। मामले में आगे की जांच जारी है।

सड़क दुर्घटना में तीन लोग घायल

बारामुला, 2 मार्च (हि.स.)। बारामुला जिले के पट्टन इलाके में सोमवार को एक सड़क दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि पट्टन में एक ऑटो-रिक्शा और एक इग्निस कार के बीच टक्कर हो गई जिसके परिणामस्वरूप तीन लोग घायल हो गए।

घायलों की पहचान हिलाल अहमद गनी पुत्र सनाउल्लाह गनी निवासी हैगाम, मुदासिर अहमद हजाम पुत्र निसार अहमद हजाम निवासी हैगाम और मेहरदीन पंडित पुत्र अब्बू रहमान पंडित निवासी वासन के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि तीनों को अस्पताल ले जाया गया जहां से उन्हें उन्नत उपचार के लिए श्रीनगर रेफर कर दिया गया है। इस बीच पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

लंगेट विधायक ने कठुआ मुद्दे पर विधानसभा में जताया विरोध

जम्मू, 2 मार्च (हि.स.)। सोमवार को जब उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अपना अभिभाषण शुरू किया तो विधायक लंगेट शेख खुर्शीद अहमद ने विधानसभा के सेंट्रल हॉल में धरना दिया। विधायक ने पिछले महीने बारामूला और कठुआ में हुई मौतों को लेकर विरोध जताया। जैसे ही उपराज्यपाल ने अपना अभिभाषण शुरू किया, खुर्शीद ने तख्तियां लेकर बारामूला और कठुआ में मारे गए दो लोगों के परिवारों के लिए न्याय की मांग की। जब उन्होंने कार्यवाही में बाधा डालने की कोशिश की तो उन्हें मार्शलों ने सदन से बाहर निकाल दिया।

आग लगने की घटना में चार घर जलकर राख

श्रीनगर, 3 मार्च (हि.स.)। बडगाम जिले के वागूरा इलाके में आग लगने की घटना में चार घर जलकर राख हो गए। रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात वागूरा के गनई मोहल्ला इलाके में आग लग गई। आग पहले एक घर में लगी और फिर तीन अन्य घरों में फैल गई जिससे भारी नुकसान हुआ। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग ने कई दमकल गाड़ियां मौके पर भेजीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

पदोन्नत हुए उपनिरीक्षकों के लिए पाइपिंग समारोह आयोजित

कठुआ 03 मार्च (हि.स.)। डीपीओ कठुआ में हाल ही में पदोन्नत हुए 10 उपनिरीक्षकों का पाइपिंग समारोह आयोजित किया गया। जिनमें उपनिरीक्षक जिया लाल, उपनिरीक्षक रहीम दीन, उपनिरीक्षक बाल कृष्ण, उपनिरीक्षक बलिंदर कुमार, उपनिरीक्षक मंजूर अहमद, उपनिरीक्षक गुरमीत सिंह, उपनिरीक्षक सुखदेव सिंह, उपनिरीक्षक रौनक सिंह, उपनिरीक्षक शाम लाल और उपनिरीक्षक बलवंत सिंह शामिल हैं। इन सभी को एएसआई (सहायक उपनिरीक्षक) के पद से एसआई (उपनिरीक्षक) के पद पर पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत अधिकारियों को एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना आईपीएस ने उनके नए पद से सम्मानित किया। इस अवसर पर एडिशनल एसपी कठुआ राहुल चारक जेकेपीएस और डीएसपी मुख्यालय कठुआ रविंदर सिंह भी मौजूद थे, जिन्होंने उनकी पदोन्नति पर खुशी जताई। इस अवसर पर एसएसपी कठुआ ने नव पदोन्नत अधिकारियों और उनके परिवार को बधाई दी और उन्हें अधिक उत्साह और उच्चतम समर्पण के साथ काम करना जारी रखने की सलाह दी। समारोह के दौरान नव पदोन्नत अधिकारियों ने पुलिस विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया और समय पर पदोन्नति मिलने पर उसी जोश और उत्साह के साथ काम करने का संकल्प लिया।

सुम्ब मार्ग पर टूटी सड़क दे रही है बड़े हादसे को न्योता, प्रशासन बना मूकदर्शक

जम्मू, 3 मार्च (हि.स.)। सुम्ब मार्ग पर जगह-जगह टूटी सड़कें लोगों के लिए मुसीबत बन गई हैं। गड्ढों से भरी यह सड़क कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, लेकिन प्रशासन इस ओर से आंखें मूंदे बैठा है। स्थानीय निवासियों और राहगीरों का कहना है कि कई बार शिकायत दर्ज कराने के बावजूद प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर रात के समय यह सड़क अत्यंत खतरनाक साबित हो सकती है।

सैनिक स्कूल नगरोटा ने सद्भावना दल की मेजबानी की

जम्मू, 3 मार्च (हि.स.)। राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रमुख आवासीय संस्थान सैनिक स्कूल नगरोटा को भारतीय सेना के गुर्ज डिवीजन द्वारा आयोजित सद्भावना यात्रा के भाग के रूप में बिलावर, जम्मू-कश्मीर से सद्भावना दल की मेजबानी करने का मौका प्राप्त हुआ। दल में बिलावर के मल्हार तहसील के सरकारी हाई स्कूल माचेडी और बरनोटा के 60 लड़के और 32 लड़कियों सहित 92 छात्र शामिल थे।

पुलवामा पुलिस ने एनडीपीएस मामले में वांछित आरोपी को पकड़ा,प्रतिबंधित सामान और नकदी जब्त

श्रीनगर, 3 मार्च (हि.स.)। पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में पुलवामा पुलिस ने मुख्तार अहमद भट पुत्र घ रसूल भट निवासी राख लाजूरा को गिरफ्तार किया जो पुलिस स्टेशन लिटर के केस एफआईआर नंबर 93/2024 यू/एस 8/22 एनडीपीएस एक्ट में वांछित था।

आरोपी को पलपोरा में एक नाके पर रोका गया जहाँ उसके पास 102 ग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ और 1,00,000 रुपये की भारतीय मुद्रा मिली जिसमें 100 और 500 के नोट शामिल थे। इसके अलावा ऑपरेशन के दौरान बिना रजिस्ट्रेशन नंबर वाली हुंडई क्रेटा भी जब्त की गई।

पुलवामा पुलिस मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के अपने मिशन के लिए प्रतिबद्ध है और जनता से नशा मुक्त समाज बनाने में मदद करने के लिए किसी भी नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों की रिपोर्ट करने का आग्रह करती है।

एडीसी जम्मू ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बारे में जागरूकता अभियान का नेतृत्व किया

जम्मू, 3 मार्च (हि.स.)। अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) जम्मू, अनसूया जम्वाल ने ग्रामीण विकास विभाग द्वारा गवर्नमेंट बॉयज हाई स्कूल (जीबीएचएस) बनसुल्तान में आयोजित नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बारे में जागरूकता अभियान में भाग लिया। इस अभियान का उद्देश्य छात्रों और समुदाय को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों और एक स्वस्थ, नशा मुक्त जीवन जीने के महत्व के बारे में शिक्षित करना था।

इस कार्यक्रम में प्रिंसिपल जीजीएचएसएस मीरां साहिब अशोक चोपड़ा, जेडईओ मीरां साहिब वर्धना शर्मा, एसएचओ मीरां साहिब एम अजेश जम्वाल, बीडीओ मीरां साहिब सोनाली, हेडमास्टर जीबीएचएस बनसुल्तान एस रणजीत सिंह, जेडआईसीसी सुखजिंदर कौर, स्कूल स्टाफ और समुदाय के सदस्य शामिल हुए। जीबीएचएस बनसुल्तान के छात्रों ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विनाशकारी प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए एक आकर्षक नुक्कड़ नाटक (स्ट्रीट प्ले) प्रस्तुत किया जिसने दर्शकों पर गहरा प्रभाव डाला एडीसी जम्मू, अनसूया जम्वाल ने बच्चों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने में माता-पिता की सतर्कता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने माता-पिता से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों, मित्र मंडली और खर्च करने की आदतों पर नज़र रखें ताकि शुरुआती चेतावनी के संकेतों का पता लगाया जा सके और आवश्यक निवारक उपाय किए जा सकें।

छात्रों के लिए प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण सत्र आयोजित

जम्मू, 3 मार्च (हि.स.)। प्रिंसिपल डॉ. संजय वर्मा के संरक्षण में सड़क सुरक्षा क्लब ने सरकारी डिग्री कॉलेज (जीडीसी) उधमपुर की एनएसएस इकाइयों के सहयोग से छात्रों के लिए प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। इस सत्र का संचालन कॉलेज के वरिष्ठ फार्मासिस्ट सुरेश कुमार ने किया और इसका समन्वयन सड़क सुरक्षा क्लब के संकाय सदस्यों द्वारा किया गया जिसमें प्रोफेसर अनोक्षा, प्रोफेसर राजेश सिंह, प्रोफेसर तानिया महाजन, डॉ. जसमीत कौर और प्रोफेसर संजीत के साथ-साथ एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गुरप्रीत कौर शामिल थे।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्रों को आवश्यक जीवन-रक्षक कौशल से लैस करना था जिसमें आपात स्थिति से निपटने, प्राथमिक चिकित्सा देने और चिकित्सा स्थितियों पर प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सुरेश कुमार ने पट्टी बांधने, घाव प्रबंधन, सीपीआर और अन्य बुनियादी जीवन-सहायक तकनीकों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। छात्रों ने व्यावहारिक प्रदर्शनों में सक्रिय रूप से भाग लिया और सीखा कि पेशेवर चिकित्सा सहायता आने से पहले तत्काल देखभाल कैसे की जाए। वास्तविक जीवन की आपातकालीन परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए सत्र ने महत्वपूर्ण परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने के महत्व पर जोर दिया।

पंजाबी विरासत को प्रदर्शित करने के लिए सद्दा पिंड की यात्रा का आयोजन

जम्मू, 3 मार्च (हि.स.)। डोगरा डिग्री कॉलेज ने सद्दा पिंड की एक दिवसीय यात्रा का आयोजन किया जिसमें छात्रों को उनकी शैक्षणिक दिनचर्या से एक ताज़ा ब्रेक दिया गया।

50 छात्रों के एक समूह ने जिसमें मेंटर शिखा गुप्ता, अदिति खजूरिया, रिंकल गुप्ता और शिवानी कश्यप शामिल थे पारंपरिक पंजाबी विरासत के जीवंत सांस्कृतिक अनुभव में डूब गए।

इस यात्रा ने छात्रों को एक बहुत ज़रूरी राहत प्रदान की।

साथ ही कक्षा से परे शिक्षक-छात्र संबंधों को भी मजबूत किया।

छात्रों ने पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया, लोक संगीत और नृत्य का आनंद लिया और पंजाब की समृद्ध ग्रामीण संस्कृति को उजागर करने वाले इंटरैक्टिव अनुभवों में भाग लिया। यात्रा सुबह 6:00 बजे शुरू हुई और समूह रात 10:00 बजे तक सुरक्षित वापस लौट आया।

छात्रों ने इस अनुभव का भरपूर आनंद लिया और भविष्य में इस तरह की और यात्राओं के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की, जिससे यह यात्रा एक यादगार और समृद्ध अनुभव बन गई।

डोगरा राज्य की बहाली और शराब पर प्रतिबंध की मांग को लेकर प्रदर्शन

जम्मू, 3 मार्च (हि.स.)। मिशन स्टेटहुड जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष सुनील डिंपल ने विधानसभा सत्र के पहले दिन जानीपुर हाई कोर्ट रोड पर विरोध प्रदर्शन और धरना दिया जिसमें जम्मू-कश्मीर के डोगरा राज्य की जल्द बहाली की मांग की गई। विभिन्न समुदायों और व्यापारियों के साथ डिंपल ने विधानसभा में अनुच्छेद 370 पर बहस के लिए भी दबाव डाला और सरकार से शराब और वाइन की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पारित करने का आग्रह किया खासकर जम्मू और कटरा मंदिरों के शहर में।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए डिंपल ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और विधानसभा के सभी 90 सदस्यों से जम्मू, कटरा और कश्मीर में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए विधेयक लाने का आह्वान किया। डिंपल ने अप्रैल 2025 से दरबार मूव को तुरंत फिर से शुरू करने की भी मांग की और कथित शराब माफिया की सीबीआई जांच की मांग की जिसमें प्रभावशाली व्यापारियों और बाहरी शराब कार्टेलों पर जम्मू-कश्मीर में शराब उद्योग पर हावी होने के लिए भाजपा नेताओं, पार्षदों और महापौरों के साथ मिलीभगत करने का आरोप लगाया।

Azadi Ka Amrit Mahotsav

G20

UNION TERRITORY OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE THE EXECUTIVE ENGINEER PWD (R&B) DIVISION R.S.PURA
e-mail : xenpwdrspura@gmail.com

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Short e-NIT No. DRSP/83 of 2024-25 Dated 01-03-2025

For and on behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir e-tenders are invited on percentage basis from approved and eligible Contractors registered with Union Territory of J&K, CPWD, Railways, MES and other State/Central Governments for each of the following works :-

S. No	Name of Work	Name of Division	Advertised Cost (in Lacs)	Cost of document (Rs in Lacs)	Earnest Money (Rs in Lacs)	Time Allowed for complete -on	Time and date of opening of tender	Class of Contractor
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Construction of water Sump tank for rain harvesting at SM Farm Chakrohi (Under Component Agriculture Equipments (Irrigation system)	PWD (R&B) Division R.S. Pura	9.69	600	19380 (2% of the Advertised Cost)	2 Months	(1400 Hrs) on or after 10-03-2025	"A", "B", "C" & "D" Class

Position of AAA :- Office of the Directorate of Agriculture and Farmers Welfare Jammu's vide No: 132-DDCJ of 2025 Dated: 04/02/2025.
Position of TS :- Accorded
Project Authority :- Directorate of Agriculture and Farmers Welfare Jammu
Major Head of Account :-Under Component Agriculture Equipments (Irrigation system).

The Bidding documents Consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, Drawings, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmental website http://jktenders.gov.in as per below schedule :

1	Date of Issue of Tender Notice	01-03-2025
2	Period of downloading of bidding documents	From 01-03-2025 to 08-03-2025, 1800 Hrs
3	Date, Time and place of pre-bid meeting	03-03-2025 at 1300 Hrs. in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S. Pura
4	Bid submission Start Date	01-03-2025
5	Bid Submission End Date	08-03-2025 upto 1800 Hrs
6	Date & time of opening of Technical Bids (Online)	10-03-2024 on or after 1400 Hrs in the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S. Pura
7	Date & time of opening of Financial Bids (Online)	To be notified after technical bid evaluation is completed

1.Bids must be accompanied with cost of Tender document in shape of Treasury Receipt/e-challan in favour of Executive Engineer PWD(R&B) Division R S Pura through Treasury, indicating Treasury Voucher No. & date, e-NIT No. and name of work duly crediting to 0059 (Revenue) and Earnest money/Bid security in shape of CDR/FDR/BG pledged to Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S. Pura. The CDR/FDR/BG shall be valid for 45 Days beyond the bid validity period. (The date of Treasury Challan, Earnest Money/Bid Security must be between the date of start of bid and Bid Submission End Date). The original instruments in respect of cost of documents, EMD and relevant documents of L1 be submitted to the Office of Executive Engineer PWD (R&B) Division R.S. Pura at the time of allotment.

No :- Dated :-

Sd/-
Executive Engineer
PWD (R&B) Division
R.S. Pura

DIP/J-10680/24
Dtd:3-3-2025

संपादकीय

रेलवे को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाना

भारतीय रेलवे दुनिया भर में चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क है, इसलिए सभी नवीनतम सुरक्षा दिशा-निर्देशों को अक्षरशः लागू करना आवश्यक है, क्योंकि इसे चौबीसों घंटे हजारों लोगों और टन माल को दूर-दूर के स्थानों पर ले जाना होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस इकाई के कामकाज को प्रबंधित करते समय अक्सर कमियाँ खेल बिगाड़ देती हैं, जिससे जान-माल का नुकसान होता है।

भारतीय रेलवे की जिम्मेदारी है कि वह रोजाना हजारों लोगों की सेवा करे, इसलिए इस विभाग के सभी कर्मचारियों के लिए यह जरूरी हो जाता है कि वे अपनी ड्यूटी के दौरान और कुछ मामलों में तो अपने खाली समय में भी सतर्क रहें, क्योंकि बिना किसी गलती के ट्रेनों को चलाना एक बड़ी जिम्मेदारी है और इसके लिए असाधारण परिश्रम की जरूरत होती है।

हाल ही में, रेलवे को दुर्घटनाओं, पटरी से उतरने और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेला स्थल की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की ताजा घटना के कारण काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है। रेलवे को सुरक्षित बनाने के लिए, भविष्य में ऐसी गलतियों से बचने के लिए गलतियों और चूकों पर काम करना जरूरी है।

इस संदर्भ में, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ ने कथित तौर पर वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से विभिन्न रेल डिवीजनों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और इस साल जनवरी में चार मालगाड़ियों और दो यात्री ट्रेनों के पटरी से उतरने सहित कई मुद्दों को उठाया। शीर्ष अधिकारी ने कई सुधारात्मक उपाय सुझाए थे जैसे ग्राउंड स्टाफ की काउंसलिंग, कोच और वैगनों का नियमित निरीक्षण और संबंधित रेल डिवीजनों द्वारा समय-समय पर सुरक्षा अभियान जहां ऐसी घटनाएं हुईं। अध्यक्ष ने परिचालन सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया था और जनवरी 2025 में मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों के पटरी से उतरने को गंभीरता से लिया था। कथित तौर पर जनवरी 2025 में, रेलवे बोर्ड ने मानवीय त्रुटियों के कारण अकेले यातायात विभाग की वजह से 11 वर्षों में भारतीय रेलवे नेटवर्क में दर्ज 485 रेल दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की थी। आंकड़ों को देखते हुए यह जरूरी हो गया है कि रेलवे के हर एक कर्मचारी को व्यक्तिगत रूप से परामर्श दिया जाए क्योंकि रेलवे द्वारा प्रचारित 'सावधानी हटी दुर्गंतना घटी' के अनुसार रेलवे परिचालन की सुरक्षा के लिए निर्धारित सुरक्षा मानदंडों और प्रक्रियाओं का धार्मिक रूप से पालन करना सबसे महत्वपूर्ण पहलू है और इसमें किसी भी प्रकार की सुस्ती या लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। यह सलाह दी जाती है कि सभी को रेलवे में मानदंडों का पालन करना चाहिए ताकि परिवहन का यह तरीका सुविधाजनक और किफायती होने के साथ-साथ सबसे विश्वसनीय और भरोसेमंद बन सके।

(लाला हरदयाल/ पुण्य तिथि) प्राण त्याग कर दे गए राष्ट्र भक्ति का संदेश

रमेश शर्मा

सुप्रसिद्ध क्रान्तिकारी और विचारक लाला हरदयाल की गणना उन विरले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में होती है जिन्होंने केवल भारत ही नहीं अपितु अमेरिका और लंदन में भी अंग्रेजों के अत्याचारों के विरुद्ध जनमत जगाया। लालाजी को अपने पक्ष में करने के लिये अंग्रेजों ने बहुत प्रलोभन दिए। उस समय की सबसे प्रतिष्ठित आईसीएस पद के प्रस्ताव भी दिया था जिसे लालाजी ने ठुकरा दिया था। यही आईसीएस सेवा को अब आईएएस के रूप में जाना जाता है। ऐसे स्वाभिमानी राष्ट्र भक्त लाला हरदयाल जी का जन्म 14 अक्टूबर 1884 को दिल्ली में हुआ था। उनका पैतृक घर दिल्ली के चांदनी चौक में गुरुद्वारा शीशगंज के पीछे स्थित था। यह गुरुद्वारा शीशगंज उसी स्थल पर बना है जहां औरंगजेब की कठोर यातनाओं से गुरु तेगबहादुर जी का बलिदान हुआ था। लाला जी के पिता पं गोरेलाल जी संस्कृत के विद्वान और कोर्ट में रीडर थे। माता भोलारानी रामचरित मानस की विदुषी मानी जाती थीं। उनका परिवार आर्य समाज से जुड़ा था। इस प्रकार घर और पूरे क्षेत्र में राष्ट्रीय संस्कृति की प्रतिष्ठापना का वातावरण था। इसी वातावरण में लाला हरदयाल का जन्म हुआ था।

परिवार के संस्कारों ने उन्हें बचपन से राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना से ओतप्रोत कर दिया था। उन्हें बचपन में मां से रामायण की और पिता से संस्कृत शिक्षा मिली। उन्हें रामायण की चौपाइयां और संस्कृत के अनेक श्लोक कंठस्थ थे। उन दिनों के सभी शासकीय विद्यालयों में चर्च का नियंत्रण हुआ करता था। उनकी प्राथमिक शिक्षा कैम्ब्रिज मिशन स्कूल में हुई और महाविद्यालयीन शिक्षा सेन्ट स्टीफन कालेज में। वे पढ़ने में बहुत कुशाग्र थे। सदैव प्रथम ही आते थे। उनकी स्मरण शक्ति अद्भुत थी। एक बार सुनकर पूरा पाठ कंठस्थ हो जाता था। उनकी गणना ऐसे विरले व्यक्तियों में होती थी जो अंग्रेजी और संस्कृत दोनों भाषाएं धारा प्रवाह बोल लेते थे। इस विशेषता ने उन्हें पूरे महाविद्यालय में लोकप्रिय बना दिया था। वे महाविद्यालयीन शिक्षा में कालेज में टाप पर रहने से उन्हे 200 पाउंड की छात्रवृत्ति मिली। इस राशि से वे आगे पढ़ने के लिये लंदन गए। 1905 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। लालाजी ने लंदन में भारतीयों के साथ अंग्रेजों का हीनता से भरा व्यवहार देखा जिससे वे बहुत विचलित हुए। यद्यपि इसका आभास उन्हें दिल्ली के सेन्ट स्टीफन कालेज में भी हो गया था। पर जो दृश्य लंदन में देखा उसे देखकर बहुत विचलित हुए और उन्होने अपने छात्र जीवन में जाग्रति और वैचारिक संगठन का अभियान आरंभ कर दिया। भारतीय छात्रों में संगठन और जाग्रति के लिये उन्होंने संगोष्ठियों और बैठकों का कार्य आरंभ किया।

वे ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते थे जिनमें भारतीय चिंतन की प्रतिष्ठा गरिमा और ओज के साथ हो संगठनात्मक भाव भी जाग्रत हो। लाला जी लंदन में क्रांतिकारी आंदोलन चला रहे मास्टर अमीरचंद के संपर्क में आये। उनका संपर्क क्रातिकारी श्यामजी कृष्ण वर्मा से भी हुआ। श्याम कृष्ण जी ने लंदन में इंडिया हाउस की स्थापना की थी। लालाजी उसके सदस्य बन गए। क्रान्तिकारियों के संपर्क और अध्ययन से लालाजी को यह भी आभास हुआ कि पूरी दुनिया में अंग्रेजों का दबदबा भारतीय सैनिकों के कारण है। जहां कभी भी सेना भेजना होती वहां सबसे अधिक सैनिकों की संख्या भारतीय मूल के सैनिकों की होती लेकिन अंग्रेज उनसे सम्मान जनक व्यवहार नहीं करते थे। उनकी कुशाग्रता और सक्रियता अंग्रेजों से छुपी न रह सकी उन्हे 1906 में आईसीएस सेवा का प्रस्ताव मिला जिसे ठुकराकर वे लंदन में भारतीयों के संगठन और स्वाभिमान जागरण के अभियान में ही लगे रहे।

उन दिनों चर्च और मिशनरियों ने युवाओं को जोड़ने के लिये एक संस्था बना रखी थी उसका नाम यंग मैन क्रिश्चियन एसोशियेशन था। इसे संक्षिप्त में वायएमसीए कहा जाता था। इसकी शाखायें भारत में भी थीं लाला हरदयाल जी ने भारतीय युवकों में चेतना जगाने के लिये क्रान्तिकारियों की एक संस्था यंगमैन इंडिया एसोसिएशन का गठन किया। उनकी सक्रियता देख उन पर स्थानीय प्रशासन का दबाब बना। वे 1908 में भारत लौट आए। यहां आकर भी वे युवकों के संगठन में ही लग गए। उनका अभियान था कि भारतीय युवक ब्रिटिश शासन और सेना की मजबूती में कोई सहायता न करें। इसके लिए उन्होंने देश व्यापी यात्रा की। लोकमान्य तिलक से मिले। उन्होंने लाहौर जाकर एक अंग्रेजी में समाचार पत्र आरंभ किया। उनका समाचार पत्र राष्ट्रीय चेतना से भरा हुआ था। अंग्रेजों ने समाचार पत्र के एक समाचार के बहाने उनपर एक मुकदमा दर्ज किया। इसकी खबर उन्हें लग गई और वे अमेरिका चले गए। अमेरिका जाकर गदर पार्टी की स्थापना की।

परिवार के संस्कारों ने उन्हें बचपन से राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना से ओतप्रोत कर दिया था। उन्हें बचपन में मां से रामायण की और पिता से संस्कृत शिक्षा मिली। उन्हें रामायण की चौपाइयां और संस्कृत के अनेक श्लोक कंठस्थ थे। उन दिनों के सभी शासकीय विद्यालयों में चर्च का नियंत्रण हुआ करता था। उनकी प्राथमिक शिक्षा कैम्ब्रिज मिशन स्कूल में हुई और महाविद्यालयीन शिक्षा सेन्ट स्टीफन कालेज में। वे पढ़ने में बहुत कुशाग्र थे।

उन्होंने कनाडा और अमेरिका में घूम-घूम कर वहां निवासी भारतीयों को स्वयं के गौरव और भारत की स्वतंत्रता के लिये जागरूक किया। तभी काकोरी कांड के षडयंत्र कारियों में उनका भी नाम आया। अंग्रेजों ने उन्हे भारत लाने के प्रयास किए। पहले तो अमेरिकी सरकार ने अनुमति नहीं दी। लेकिन बाद में 1938 अनुमति दे दी गई। उन्हें 1939 भारत लाया जा रहा था कि रास्ते में फिलाडेल्फिया में रहस्यमय परिस्थिति में उनकी मौत हो गई। आशंका है कि उन्हें मार्ग में विष दिया गया। जब उनकी मृत्यु हुई तब वे भोजन कर रहे थे। उनकी मृत्यु का रहस्य आज भी बना हुआ है। वे पूर्ण स्वस्थ व्यक्ति कैसे भोजन करते करते शरीर त्याग सकता है। वह 4 मार्च 1939 का दिन था जब लाला जी इस नश्वर संसार को त्याग कर परम ज्योति में विलीन हो गए, पर इतिहास के पन्नों में राष्ट्र भक्ति का संदेश दे गए।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।)

कैंसर रोधी वैक्सीन कितनी कारगर, अभी बहुत कुछ शोध होना शेष

राकेश दुबे

रूस ने घोषणा की है कि उसने कैंसर की रोकथाम के लिए एक नई एमआरएनए-आधारित वैक्सीन विकसित की है जो जल्द ही रोगियों को मुफ्त उपलब्ध करायी जाएगी। गमालेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमोलोजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के निदेशक एलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग के मुतसबिक, इस वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल्स से मालूम हुआ है कि यह रसौली को बढ़ने से रोकती है और उसके आशंकित रूप-परिवर्तन को भी। एमआरएनए या मैसेंजर आरएनए वैक्सीन वह जेनेटिक सूचना उपलब्ध कराती है, जो शरीर की कोशिकाओं को एंटीजन (प्रोटीन या अन्य पदार्थ जो प्रतिरोधात्मक प्रतिक्रिया आरंभ करता है) उत्पादन करना सिखाती है। जब यह एंटीजन कैंसर कोशिकाओं पर पहचान लिए जाते हैं तो इम्यून सिस्टम उनके खिलाफ हमला शुरू कर देता है।प्रश्न यह है कि यह वैक्सीन किस तरह से काम करती है? दरअसल, एमआरएनए कैंसर वैक्सीन इम्यूनोथेरेपी का एक रूप है। कैंसर कोशिकाएं अक्सर ऐसा तरीका विकसित कर लेती हैं कि वह पहचान में आने से बच जायें फलस्वरूप प्रतिरोधात्मक क्षमता उन्हें नष्ट नहीं कर पाती। इस बचाव के तरीके को अब समझ लिया गया है और इम्यूनोथेरेपी का विचार यह है कि शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता को इस प्रकार मज़बूत कर दिया जाये कि वह कैंसर कोशिकाओं को तलाश करके उन्हें नष्ट कर दे तथा फैलने से रोके। इस उपचार में कीमोथेरेपी के विपरीत केवल कैंसर कोशिकाओं को ही नष्ट किया जाता है, नतीजतन साइड-इफेक्ट्स कम हो जाते हैं।वैक्सीन के अतिरिक्त भी इम्यूनोथेरेपी के अन्य अनेक तरीके हैं जैसे कार टी सेल थेरेपी, इम्यून चेकपॉइंट इन्हिबिटर्स आदि। अन्य वैक्सीनों की तरह एमआरएनए कैंसर वैक्सीन रोग को रोकने के लिए स्वस्थ व्यक्तियों के लिए नहीं है कि टीकाकरण करा लिया और रोग होगा ही नहीं। इन्हें उन रोगियों पर इस्तेमाल किया जाता है, जिन्हें पहले से ही कैंसर है ताकि रसौली को निशाना बनाकर उसका उपचार किया जा सके। यह उपचार विधि इस तरह से तैयार की गई है कि हर रोगी की रसौली में जो विशिष्ट एंटीजन होते हैं, उन्हें निशाना बनाया जाये, जिससे यह वैक्सीन व्यक्तिगत हो जाती है और अधिक प्रभावी भी। कैंसर एमआरएनए वैक्सीन को इस तरह से भी डिज़ाइन किया जा सकता है कि अनेक प्रकार के एंटीजन को निशाना बनाया जा सके।कैंसर की वैक्सीन का शोध केवल रूस में ही नहीं हुआ है। पिछले साल इंग्लैंड की नेशनल हेल्थ सर्विस ने कैंसर वैक्सीन लांच पैड स्थापित किया, जो एक ट्रायल कार्यक्रम है ताकि एमआरएनए व्यक्तिगत कैंसर वैक्सीन क्लिनिकल ट्रायल्स में उन लोगों के लिए तेज़ी लायी जा सके, जिनको कैंसर होने की पुष्टि हो चुकी है और साथ ही कैंसर का उपचार करने के लिए कैंसर वैक्सीन के विकास को गति प्रदान की जा सके। अमेरिका में ग्लोबल बायोफर्मास्यूटिकल कंपनी क्योरवैक ने पिछले सितम्बर में घोषणा की कि सीवीजीबीएम कैंसर वैक्सीन ने ग्लिओबलस्टोमा (ब्रेन कैंसर) रोगियों पर पहले चरण के अध्ययन में उत्सावर्धक प्रतिरोधात्मक (इम्यून) प्रतिक्रियाएं प्रदर्शित की हैं। वर्तमान में कैंसर वैक्सीन को लेकर संसार के विभिन्न हिस्सों में 120 से अधिक क्लिनिकल ट्रायल्स चल रहे हैं। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि कैंसर की रोकथाम के लिए 'वैक्सीन' शब्द का प्रयोग भ्रामक है।जहां तक कैंसर के रोकथाम की बात है तो ह्यूमन पपीलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर को होने से रोका जा सकता है, क्योंकि इस सिलसिले में 90 प्रतिशत से अधिक केस इस वायरस के कारण होते हैं। इसके अतिरिक्त हेपेटाइटिस बी वैक्सीन जो हेपेटाइटिस बी वायरल संक्रमण को रोकने के लिए दी जाती है, उसकी भी जिगर के कैंसर को रोकने में सुरक्षात्मक भूमिका हो सकती है। डॉक्टर इस बात पर बल देते हैं, इम्यूनोथेरेपी उपचार से कैंसर को होने से नहीं रोका जा सकता। यह रोग होने के बाद का इलाज है। कोई भी नई ड्रग क्लिनिकल ट्रायल्स के अनेक चरणों से गुजरती है। इस प्रक्रिया में सालों लग जाते हैं। जब तक यह सब डाटा सार्वजनिक तौरपर उपलब्ध नहीं होता है, तब तक यह कहना कठिन है कि रूस की उपचार विधि किस स्तर पर है और वह कितनी सुरक्षित व प्रभावी है।

इस उपचार में कीमोथेरेपी के विपरीत केवल कैंसर कोशिकाओं को ही नष्ट किया जाता है, नतीजतन साइड-इफेक्ट्स कम हो जाते हैं।वैक्सीन के अतिरिक्त भी इम्यूनोथेरेपी के अन्य अनेक तरीके हैं जैसे कार टी सेल थेरेपी, इम्यून चेकपॉइंट इन्हिबिटर्स आदि।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

इतना हल्ला क्यों, पहले भी तो हुआ है परिसीमन

डॉ. सत्यवान सौरभ

देश में इस समय परिसीमन के मुद्दे पर सियासत में भूचाल आया हुआ है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने पांच मार्च को इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक आहूत की है। उन्हें आशंका है कि परिसीमन के बाद तमिलनाडु की संसदीय सीटों की संख्या कम हो सकती है। स्टालिन का समर्थन दक्षिणी राज्यों के अन्य मुख्यमंत्रियों ने भी किया है। अभी यह तय नहीं है कि परिसीमन की प्रक्रिया कब शुरू होगी। यह माना जा रहा है कि 2025-26 में होने वाली जनगणना के बाद परिसीमन हो सकता है। इस प्रक्रिया के 2028 तक पूरी होने की संभावना है। परिसीमन एक संवैधानिक प्रक्रिया है, इसलिए स्टालिन का हल्ला मचाना कहीं से भी ठीक नहीं लग रहा। पहले भी देश में परिसीमन हुए हैं।

वैसे भी उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुंचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है।

माना जा रहा है कि 2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्रीय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल भी अपनाए जा सकते हैं।

लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा। निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा तो शासन में सुधार होगा। बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आंकड़ों पर आधारित है। बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आंकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है। अधिक आबादी वाले राज्यों से सांसदों की संख्या में वृद्धि विकास संबंधी असमानताओं की ओर ध्यान आकर्षित करेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि नीतिगत हस्तक्षेप अविकसित क्षेत्रों की ओर लक्षित हों। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों के लिए अधिक संख्या में सांसदों से बेहतर बुनियादी ढांचा नियोजन और निवेश का बेहतर आवंटन हो सकता है।

प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुकसान पहुंचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठोस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से हतोत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है।

प्रगतिशील राज्यों की घटती भूमिका संघवाद और निष्पक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुकसान पहुंचाती है। प्रभावी शासन वाले दक्षिणी राज्यों का प्रभाव कम हो सकता है, जिससे ठोस नीति प्रबंधन के लिए प्रेरणा कम हो सकती है। केरल की उच्च साक्षरता दर से प्रेरित विकास पर्याप्त सीट आवंटन में तब्दील नहीं हो सकता है, जिससे अन्य राज्य समान रणनीति अपनाने से हतोत्साहित हो सकते हैं। अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व केंद्रीकृत नीति निर्माण की ओर रुझान को जन्म दे सकता है, जो क्षेत्रीय शासन स्वायत्तता को प्रतिबंधित कर सकता है। कृषि राज्यों के पक्ष में विधायी समायोजन औद्योगिक क्षेत्रों की जरूरतों की उपेक्षा कर सकते हैं, जिससे आर्थिक संतुलन बाधित हो सकता है।

तमिलनाडु और महाराष्ट्र कम प्रतिनिधित्व के कारण अपने राजकोषीय हितों की रक्षा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। केवल जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व में वृद्धि उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है।इससे क्षेत्रीय तनाव पैदा हो सकता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दल परिसीमन के खिलाफ हैं।

आम आदमी जानना चाहता है कि परिसीमन क्या होता है? इसमें लोकसभा सीटों की संख्या कैसे घट और बढ़ जाती है? तो पहली बात यह कि देश में हर जनगणना के बाद परिसीमन होता है। यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है।वैसे ऐसा जरूरी भी नहीं है कि हर जनगणना के बाद परिसीमन हो। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके तहत लोकसभा व विधानसभा क्षेत्रों का निर्धारण किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य जनसंख्या में बदलाव के अनुसार सभी नागरिकों के समान प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करना होता है। देश की आजादी के बाद हर 10 साल में जनगणना कराई जाती रही है। हालांकि, 2011 के बाद जनगणना नहीं हुई है।संविधान के 81(2) में जिक्र है कि किसी राज्य की जनसंख्या और उस राज्य के संसद सदस्यों की संख्या के बीच का अनुपात सभी राज्यों के लिए समान होना चाहिए। इस हिसाब से अधिक जनसंख्या वाले राज्यों में सांसदों की संख्या ज्यादा है और कम जनसंख्या वाले राज्यों में कम सांसद हैं। संभवतः दक्षिणी राज्यों को इसी बात का डर है। कई दक्षिणी राज्यों में जनसंख्या तेजी से घटी है। ऐसे में अगर परिसीमन होता है तो इन राज्यों की लोकसभा सीटों में भी आबादी के अनुसार बदलाव हो सकता है। देश में अब तक चार बार 1952, 1963, 1973 और 2022 में परिसीमन आयोग का गठन किया जा चुका है। पहली बार 1952 में परिसीमन प्रक्रिया के समय देश में 489 लोकसभा सीटें थीं। इसके बाद 1963 में परिसीमन हुआ तो लोकसभा सीटों की संख्या 522 हो गई। 1973 में परिसीमन के तहत लोकसभा सीटों की संख्या 543 हो गई। 1967 में इंदिरा गांधी ने 42वें संविधान संशोधन के जरिए परिसीमन पर 25 साल के लिए रोक लगा दी थी। इसके बाद 2001 में जनगणना हुई और 2002 में परिसीमन आयोग का गठन किया गया। मगर तत्कालीन केंद्र सरकार ने 84वें संविधान संशोधन के तहत इस पर एक बार फिर 25 साल की रोक लगा दी थी। इस संविधान संशोधन के अनुसार, देश में लोकसभा सीटों की संख्या 2026 के बाद ही बढ़ाई जा सकती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विराट कोहली ने एक और उपलब्धि अपने नाम की, 300 वनडे मैच खेलने वाले सातवें भारतीय खिलाड़ी बने

एजेंसी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में उतरते ही वनडे में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। कोहली का यह वनडे करियर का 300वां मुकाबला है। इस तरह वह भारत के लिए 300 वनडे मुकाबले खेलने वाले सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम अपना आखिरी ग्रुप मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेल रही है। मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया है। भारतीय टीम बल्लेबाजी कर रही है। यह मैच पूर्व कप्तान एवं स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के लिए काफी खास है। यह मैच कोहली के करियर का 300वां वनडे मुकाबला है। वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, महेंद्र सिंह धोनी जैसे दिग्गजों के क्लब में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने करियर में इतने या इससे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। सातवें भारतीय खिलाड़ी बने कोहली-विराट कोहली 300 वनडे मुकाबले खेलने वाले सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले भारत के छह खिलाड़ियों ने 300 या इससे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। इनमें शीर्ष पर पूर्व भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं।

वह विकेट दिलाने वाला गेंदबाज है, यह सही समय है कि उसे मौके दिए जाएं : रवि शास्त्री

दुबई। पूर्व खिलाड़ियों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करने वाले वरूण चक्रवर्ती की तारीफ की है और रवि शास्त्री ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में उसे खिलाना चाहिए। चक्रवर्ती ने न्यूजीलैंड पर आखिरी ग्रुप मैच में 44 रन से मिली जीत में 42 रन देकर 5 विकेट लिए।भारत के पूर्व मुख्य कोच शास्त्री ने कहा, 'मैं उससे काफी प्रभावित हूं। टीम प्रबंधन को पूरे अंक जाते हैं जिसने उसे उतारने का फैसला लिया। बीच के ओवरों में वह विकेट दिलाने वाला गेंदबाज है। यह सही समय है कि उसे मौके दिए जाएं। उसे टीम में शामिल किया तो उसने 5 विकेट ले लिए। उसके मौजूदा फॉर्म और हाव भाव को देखें, उसके आत्मविश्वास और कौशल को देखें। टूर्नामेंट में अब न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका बचे हैं और उन्होंने उसके खिलाफ ज्यादा खेला नहीं है। शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि इसी एकादश को उतारना चाहिए क्योंकि 48 घंटे के भीतर ही खेलना है। स्पिनरों की भूमिका अहम रहने वाली है। भारत के पूर्व कोच और महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले ने वरूण की तारीफ करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले एक डेढ साल में उसका प्रदर्शन शानदार रहा है और वह लगातार मैच जिताता आया है। चाहे तमिलनाडु हो, केकेआर या भारतीय टी20 टीम।

चैम्पियंस ट्रॉफी: आस्ट्रेलियाई टीम में चोटिल शॉर्ट की जगह इस युवा ऑलराउंडर को किया शामिल

दुबई। युवा स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला कूपर कोनोली को चैम्पियंस ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबले के लिये चोटिल मैथ्यू शॉर्ट की जगह आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान पिंडली में चोट लगी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 21 वर्ष के कोनोली को टूर्नामेंट में यात्रा रिजर्व में रखा गया था। आईसीसी टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने इस बदलाव को सोमवार को मंजूरी दे दी। कोनोली ने अभी तक ऑस्ट्रेलिया के लिए छह अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें तीन वनडे हैं। ऑस्ट्रेलिया को मंगलवार को पहले सेमीफाइनल में भारत से खेलना है।

कोहली-जम्पा की टक्कर देखने लायक होगी, सेमीफाइनल के पहले बोले अंबाती रायुडू

दुबई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू का मानना है कि मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के महत्वपूर्ण सेमीफाइनल में करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर एडम जम्पा के बीच होने वाली टक्कर देखने लायक होगी। 2017 से लेकर अब तक जम्पा ने कोहली को वनडे में पांच बार आउट किया है जिससे दुबई की धीमी पिचों पर यह मुकाबला बेहद रोमांचक होगा। भारतीय स्टार को 2024 की शुरुआत से लेकर अब तक लेग स्पिनरों ने पांच बार आउट किया है जबकि उन्होंने 48.68 की स्ट्राइक-रेट से उनके खिलाफ केवल 37 रन बनाए हैं। रायुडू ने जियो हॉटस्टार से कहा, यह एडम जाम्पा बनाम विराट कोहली (सेमीफाइनल में अहम मुकाबला) होगा। विराट को हाल ही में लेग स्पिनरों के खिलाफ थोड़ा संघर्ष करना पड़ा है, लेकिन इस टूर्नामेंट में उन्होंने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके लिए अच्छा रहेगा।न्यूजीलैंड के खिलाफ कोहली ने अपने 300वें वनडे मैच में दो बाउंड्री लगाईं, उन्होंने हेनरी की गेंद पर एक बाउंड्री के लिए जोर से कट शॉट खेला लेकिन ग्लेन फिलिप्स ने बैकवर्ड पॉइंट पर शानदार कैच लपका जिससे कोहली और मैदान में मौजूद सभी हैरान रह गए और वह 11 रन पर आउट हो गए। रायुडू को लगता है कि किस्मत सिर्फ कोहली के साथ नहीं थी, क्योंकि वह 300 वनडे खेलने वाले सातवें भारतीय और कुल मिलाकर 22वें खिलाड़ी बने।

वरूण का पंजा मैट पर भारी, भारत ने न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराया

एजेंसी

दुबई । श्रेयस अय्यर (79), हार्दिक पंड्या (45) और अक्षर पटेल (42) की शानदार पारियों के बाद वरूण चक्रवर्ती (पांच विकेट) और अन्य के बेहतरीन स्पिन आक्रमण की बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड को चैंपियंस ट्रॉफी के 12वें मुकाबले में 44 रनों से हराकर अपना विजय क्रम जारी रखा। 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 49 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। रचिन रविंद्र (छह) को हार्दिक ने आउट किया। उसके बाद 12वें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने विल यंग (22) को चलता कर दिया। इसके बाद केन विलियमसन और डैरिल मिचेल ने पारी को संभालने का प्रयास किया। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 44 रनों की साझेदारी हुई। 26वें ओवर की पहली गेंद कुलदीप यादव ने डैरिल मिचेल

(17) को पगबाधा कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। इसके बाद तो भारतीय स्पिन गेंदबाजों ने न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर अपना शिकंजा कस लिया। भारतीय स्पिन आक्रमण के आगे न्यूजीलैंड का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। टॉम लेथम (14), ग्लेन फिलिप्स (12) और माइकल ब्रेसवेल को वरूण चक्रवर्ती ने पगबाधा आउट किया। 41वें ओवर में अक्षर पटेल ने एक छोर थामे रन बटोर कर शतक की ओर बढ़ रहे केन विलियमसन को केएल राहुल के हाथों स्टंप कराकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। केन विलियमसन ने 120 गेंदों में सात चौकों की मदद से (81) रनों की पारी खेली। अपनी टीम को जीत की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे कप्तान मिचेल सैंटनर (28) को वरूण ने 45वें ओवर में बोल्ड कर न्यूजीलैंड की जीत की उम्मीद को खत्म कर दिया। इसी ओवर में मैट हेनरी (दो) भी वरूण का शिकार बने।

इसके बाद कुलदीप यादव ने विलियम ओरूर्क (एक) को बोल्ड कर न्यूजीलैंड की पारी को 45.3 ओवर में 205 रन पर समेट कर मैच भारत की झोली में डाल दिया। भारत की ओर से वरूण चक्रवर्ती ने तीन विकेट लिये।कुलदीप यादव को दो विकेट मिले। हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहाँ न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

जोशुआ चेप्टेगी ने 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। युगांडा के दिग्गज धावक जोशुआ चेप्टेगी ने जापान के टोक्यो में आयोजित मैराथन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी ने टोक्यो मैराथन में 2 घंटे 5 मिनट 59 सेकंड का समय निकालते हुए नौवां स्थान हासिल किया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए निर्धारित 2:06:30 के क्वालीफाइंग समय को पार कर लिया। इस रेस में इथियोपिया के टाडेस ताकेले ने पहला स्थान प्राप्त किया। चेप्टेगी ने क्वालीफाई करने पर खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं कि मैं अपनी दूसरी मैराथन में शीर्ष 10 में जगह बना सका। ट्रैक से मैराथन में आने के बाद से मैं अभी भी सीखने की प्रक्रिया में हूं।

युगांडा के ही एक अन्य धावक, स्टीफन किस्सा, 25वें स्थान पर रहे लेकिन क्वालीफाइंग समय को पार करने में असफल रहे।

गौरतलब है कि चेप्टेगी ने पिछले साल 42 किमी मैराथन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 5,000 मीटर और 10,000 मीटर की दौड़ से हटने की घोषणा की थी। उन्होंने 2023 में वालेंसिया मैराथन में अपना डेब्यू किया था, जहां वे 37वें स्थान पर रहे थे।

मधवेंद्र शेखावत ने पुरुषों की 60 मीटर बाधा दौड़ में की राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी

एजेंसी

एरिजोना । भारत के मधवेंद्र शेखावत ने बिग स्काई इनडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की 60 मीटर बाधा दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की।

अमेरिका के एरिजोना यूनिवर्सिटी में आयोजित बिग स्काई इनडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में 21 वर्षीय भारतीय एथलीट ने 7.64 सेकंड के समय के साथ शीर्ष पर रहते हुए बाधा दौड़ जीती। इसी के साथ उन्होंने पिछले महीने फ्रांस में तेजस शिरसे द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मधवेंद्र ने फाइनल में जमैका के जेरोम कैंपबेल को हराकर जीत दर्ज की। इस चैपियंसशिप में जेरोम 7.65 सेकेंड के साथ दूसरे तथा अमेरिका के जाचरी विंगर 7.93 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

मधवेंद्र ने हीट्स में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उन्होंने 7.79 सेकेंड में फिनिश लाइन पार की और आठ खिलाड़ियों के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उनका पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 7.68 सेकेंड था, जो उन्होंने 14 फरवरी को सिएटल में दर्ज किया था। चीन के नानजिंग में 21 से 23 मार्च तक आयोजित होने वाली विश्व एथलेटिक्स इनडोर चैंपियनशिप 2025 के लिए पुरुषों की 60 मीटर हर्डल्स का ऑटोमैटिक

क्वालीफिकेशन समय 7.57 सेकेंड है। मधवेंद्र और शिरसे विश्व इनडोर चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाइंग समय को पार नहीं कर सके, लेकिन दोनों शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने वाले एथलीटों की सूची के जरिए स्थान पक्का करने की दौड़ में बने हुए हैं।

फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ से हटाया प्रतिबंध, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने का रास्ता साफ

एजेंसी

नई दिल्ली। फुटबॉल की विश्व नियामक संस्था फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) पर लगे निलंबन को हटा लिया है। यह फैसला पीएफएफ असाधारण कांग्रेस द्वारा सुझाए गए संवैधानिक परिवर्तनों को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया। पीएफएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 27 फरवरी को पीएफएफ असाधारण कांग्रेस के सफल नतीजे के बाद फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ पर से निलंबन हटा दिया है और उसके पूर्ण सदस्यता अधिकार बहाल कर दिए हैं। संस्था ने आगे कहा कि वह फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता है और पाकिस्तान फुटबॉल समुदाय को बधाई देता है।

तीसरी बार लगा था प्रतिबंध

फीफा ने 2017 और 2021 में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के कारण पाकिस्तान पर दो बार प्रतिबंध लगाया था। 2019 में, संगठन ने पीएफएफ के संचालन और चुनावों की निगरानी

के लिए एक सामान्यीकरण समिति गठित की थी। हाल ही में, 7 फरवरी 2025 को फीफा ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने वाले संविधान को न अपनाने के कारण पाकिस्तान पर तीसरी बार प्रतिबंध लगाया था। लेकिन अब फीफा द्वारा अनुमोदित संविधान में बदलाव के बाद पीएफएफ को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की स्थिति

पाकिस्तान फुटबॉल टीम का प्रदर्शन बीते वर्षों में निराशाजनक रहा है। टीम 1962 मर्डेका कप और 1997 सैफ चैंपियनशिप में उपविजेता रही थी।

हाल ही में, पाकिस्तान ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे निचले स्थान पर रहा। उसका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला ताजिकिस्तान के खिलाफ था, जिसमें उसे 0-3 से हार मिली थी।

फीफा की ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान 198वें स्थान पर है। अब टीम अगले 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में खेलेगी, जहां उसे सीरिया, म्यांमार और अफगानिस्तान के साथ मुकाबला करना है। पाकिस्तान 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025:चोटिल मैट शॉर्ट की जगह कूपर कोनोली ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

एजेंसी

दुबई। ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल से पहले अपनी चैंपियंस ट्रॉफी टीम में बदलाव किया है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट के चोट के कारण बाहर होने के बाद युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिनर कूपर कोनोली को टीम में शामिल किया गया है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले के दौरान चोट लगी थी, जिससे वे नॉकआउट मुकाबलों के लिए फिट नहीं हो सके। 21 वर्षीय कोनोली पहले से ही टीम के साथ यात्रा रिजर्व के रूप में मौजूद थे, जिससे वे तुरंत चयन के लिए उपलब्ध हो गए हैं।

सेमीफाइनल में भारत से मुकाबला, टीम संयोजन पर विचार

ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को दुबई में खेले जाने वाले सेमीफाइनल में भारत का सामना करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद भारत सेमीफाइनल में पहुंचा है।

टीम प्रबंधन अब यह तय करेगा

कि कोनोली को सीधे प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाए या फिर विकल्पों पर विचार किया जाए। यदि चयनकर्ता शीर्ष क्रम में बदलाव करना चाहते हैं, तो जेक फ्रेजर-मैकगर्क को मौका दिया जा सकता है। वहीं, यदि टीम एक अतिरिक्त स्पिनर चाहती है, तो तनवीर संघा के चयन पर विचार किया जा सकता है।

स्पिनरों की भूमिका अहम, ज़म्पा ने दी प्रतिक्रिया

दुबई की पिच को देखते हुए स्पिनरों की अहम भूमिका होगी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 37.3 ओवर की स्पिन गेंदबाजी कराई थी, जिसमें वरुण चक्रवर्ती ने 42 रन देकर 5 विकेट झटके थे।

ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम ज़म्पा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, टूर्नामेंट की प्रकृति को देखते हुए हमें अलग-अलग परिस्थितियों में खेलना पड़ा है। पाकिस्तान और दुबई की परिस्थितियों में थोड़ा अंतर है। पिच धीमी हो सकती है, जिससे विकेट लेने के और मौके बन सकते हैं।उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कर रहा हूं, लेकिन इसके बावजूद टीम के लिए योगदान देना और अहम विकेट लेना मेरे लिए महत्वपूर्ण है।

भारत से वनडे में आखिरी भिड़ंत विश्व कप फाइनल में

वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया और भारत की आखिरी भिड़ंत 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में हुई थी, जहां भारत ने जीत दर्ज की थी। यदि ऑस्ट्रेलिया इस बार सेमीफाइनल जीतता है, तो वे फाइनल के लिए लाहौर लौटेंगे, जबकि हार की स्थिति में फाइनल दुबई में खेला जाएगा।सेमीफाइनल मुकाबले को लेकर दोनों टीमें अपनी रणनीति अंतिम रूप देने में जुटी हैं, जहां स्पिनर्स की भूमिका निर्णा यक साबित हो सकती है।

कृष्णा जयशंकर ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, माउंटेन वेस्ट इंडोर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की कृष्णा जयशंकर ने माउंटेन वेस्ट इंडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय कृष्णा ने 16.03 मीटर के प्रयास के साथ न केवल पोडियम पर जगह बनाई, बल्कि भारतीय इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

नेवादा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रही कृष्णा ने शनिवार को हुए फाइनल में अपने अंतिम प्रयास में 16.03 मीटर का थ्रो फेंका, जिससे उन्होंने 2023 में महाराष्ट्र के पूर्णाराव राणे द्वारा स्थापित 15.54 मीटर के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

इस प्रतियोगिता में कोलोराडो विश्वविद्यालय की मैया लेंसर ने 19.02 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी गैबी मोर्न्स ने 17.09 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक पर कब्जा जमाया।

न्यू मैक्सिको राज्य के ल्बुकर्क में आयोजित इस प्रतिष्ठित इनडोर

प्रतियोगिता में कृष्णा के शानदार प्रदर्शन ने भारतीय एथलेटिक्स में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

केरल को हराकर विदर्भ ने जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब

एजेंसी

नागपुर। विदर्भ ने फाइनल मुकाबले में रनों का पहाड़ करते हुए केरल को हराकर पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। केरल और विदर्भ के बीच नागपुर में खेला गया फाइनल मुकाबला पांचवें दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ। विदर्भ को पहली पारी में केरल पर बनाई गई बढ़त के आधार पर जीत मिली और इस घरेलू टूर्नामेंट में चैंपियन बन गया। विदर्भ ने तीसरी बार रणजी का खिताब जीता है। इससे पहले उसने 2017-18 और 2018-19 में खिताब जीता था। विदर्भ के दानिश मालेवार को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। वहीं विदर्भ के हर्ष दुबे को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला। विदर्भ ने कल के सत्र में मैच के पांचवें दिन करूण नायर ने अभी अपने कल के स्कोर

चार विकेट पर 249 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के में तीन रन जोड़े थे कि आदित्य सरवटे ने उन्हें अजरुद्दीन ने स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। नायर ने (295) में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (135) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। हर्ष दुबे (चार) रन बनाकर आउट हुये। कप्तान अक्षय वड़कर(25) को सरवटे ने बोल्ड आउट किया। अक्षय कारनेवार (30) को एनपी बासिल ने बोल्ड किया। दोनों कप्तानों की मैच ड्रा करने की सहमिति के समय विदर्भ ने 143.5 ओवरों में नौ विकेट पर 375 रन बना लिये थे और दर्शन नालकंडे (51 अवजित) और यश ठाकुर (आठ) अविजित रहे। केरल की ओर से आदित्य सरवटे ने चार विकेट लिये। एम डी निधीष, जलज सक्सेना, ईडन ऐपल टॉम, एनपी बासिल और अक्षय चंद्रन ने एक-एक विकेट लिया।

वरुण चक्रवर्ती को दूसरे ही मुकाबले में मिले 5 विकेट, स्टुअर्ट बिन्नी का रिकॉर्ड टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली । दुबई के मैदान पर भारतीय मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कमाल कर दिया। ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में जब भारतीय टीम पहले खेलते हुए 249 रन ही बना पाई थी तो वरुण ने पांच विकेट लेकर न्यूजीलैंड को 205 रन पर ही रोक दिया। वरुण का यह मात्र दूसरा वनडे था। भारत के लिए वह महज दूसरे वनडे में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड स्टुअर्ट बिन्नी के नाम पर था जिन्होंने साल 2014 में अपने तीसरे वनडे मुकाबले में मीरपुर के मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ 6/4 के आंकड़े दिए थे। वरुण ने और भी रिकॉर्ड बनाए।

42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप का भोपाल के बड़े तालाब पर आज होगा शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बड़े तालाब स्थित मध्य प्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी, बोट क्लब पर 42वीं नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाम चार बजे इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। इस प्रतियोगिता में 23 राज्यों के लगभग 500 प्रतिभागी भाग लेंगे। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप सात मार्च तक आयोजित होगी। मंत्री सारंग ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 14 इवेंट्स होंगे। दो इवेंट्स पैरा सिंगल स्कल महिला एवं पुरुष वर्ग भी शामिल है। 14 इवेंट्स के सभी फाइनल्स सात मार्च को संपन्न होंगे जिसमे सात इवेंट्स सुबह एवं सात की शाम होंगें। सभी स्पर्धाएं 2000 मीटर की दूरी पर आयोजित की जाएंगी।उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर की कुल 27 टीमों में से 23 राज्यों की एवं इंडियन

आर्मी, इंडियन नेवी, इंडियन एयरफ़ोर्स, और सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की टीमों के 500 प्रतिभागी शामिल होंगे। उद्घाटन अवसर पर मध्य प्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी रोइंग, क्याकिंग-केनोइंग, सेलिंग और स्लालम खेलों की विशेष प्रस्तुति देंगे। सारंग ने बताया कि इस प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से बोट क्लब सहित शहर के प्रमुख चौराहों पर किया जाएगा।

'अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन' का चौथा सफल आयोजन

एजेंसी

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन-2025 में पुरूष वर्ग में उत्तर प्रदेश के अक्षय कुमार ने 01 घण्टा 02 मिनट 15 सेकंड में और महिला वर्ग में इथियोपिया की हिवेत जेब्रीवाहिद ने 01 घण्टा 13 मिनट 01 सेकेण्ड में 21 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। राज्य के संसदीय कार्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद महेश कश्यप और धरसींवा विधायक अनुज शर्मा आज अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन 2025 के चौथे आयोजन में शामिल हुए। यहां बालक हायर सेकेण्डरी स्कूल के खेल मैदान में प्रातः 5.30 बजे से दौड़ लगाकर मैराथन दौड़ का शुरूआत किया गया। मैराथन दौड़ शुरू होने के पूर्व हजारों धावकों को वार्मअप कराने हेतु जुम्बा डॉस कराया गया, जिसका धावकों ने खूब आनंद लिया। मैराथन दौड़ ओरछा विकासखंड के ग्राम बासिंग में संपन्न हुई जहां विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया। 'अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन' दौड़ में हजारों धावकों ने दौड़ लगायी। इसमें पुरूष वर्ग में उत्तर प्रदेश के अक्षय कुमार ने और महिला वर्ग में इथियोपिया की हिवेत जेब्रीवाहिद ने

21 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं पुरूष वर्ग में इथियोपिया के फिरोमसा 01 घण्टा 02 मिनट 52 सेकेण्ड एवं महिला वर्ग में उत्तरप्रदेश की रेनूसिंह 01 घण्टा 13 मिनट 18 सेकेण्ड में दौड़ लगाकर द्वितीय स्थान तथा पुरूष वर्ग में मोहल्लामानपुर के फुकेश्वर लाल देसमुख ने 01 घण्टा 04 मिनट 14 सेकेण्ड एवं महिला वर्ग में बिहार की अंजली ने 01 घण्टा 14 मिनट 46 सेकेण्ड समय लेकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 10 किलोमीटर पुरूष वर्ग में प्रथम स्थान मोनू कुमार, द्वितीय पीयूष मसानी और तृतीय स्थान दीपक कुमार ठाकुर तथा महिला वर्ग में प्रथम स्थान उत्तर प्रदेश की अमृता पटेल, द्वितीय स्थान इथियोपिया की प्री वेक्कनी और तृतीय स्थान उत्तर प्रदेश की अन्नुपाल ने प्राप्त की।इसी प्रकार 05 किलोमीटर महिला वर्ग में प्रथम स्थान सूरजपूर की सोनिका राजवाड़े, द्वितीय स्थान रायपुर की ईशारानी सिन्हा और तृतीय स्थान सरगुजा की ममता की ममता पैकरा ने हासिल की। बस्तर पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सुंदरराज पी एवं कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने अतिथियों का स्वागत किया और मैराथन आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, बृजमोहन देवांगन प्रथम स्थान विजेताओं को मैडल और एक लाख 50 हजार रुपए की राशि उनके खाते में आरटीजीएस के माध्यम से अंतरण की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि पर बजट बाद वेबिनार का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि पर बजट बाद वेबिनार का उद्घाटन किया।इस वेबिनार का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने कपड़ा मंत्रालय के सहयोग से किया था। इस कार्यक्रम में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, वस्त्र सचिव नीलम शमी राव और विभिन्न सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस सत्र में कृषि क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों और विशेषज्ञों ने भी भाग लिया। उद्घाटन भाषण के बाद, वेबिनार में विभिन्न आगामी योजनाओं और मिशनों पर केंद्रित कई शुरूआती सत्र आयोजित किए गए।

वस्त्र सचिव नीलम शमी राव ने कपास मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने फाइबर परीक्षण अवसंरचना का विस्तार करने, एक्स्ट्रा लॉन्ग स्टेपल (ईएलएस) कपास के बीजों का उत्पादन बढ़ाने और भारत के कपास क्षेत्र की वृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कस्तूरी कॉटन भारत पहल को और विकसित करने जैसी प्रमुख पहलों के बारे में बताया।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री फरवरी में 19 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली। रॉयल एनफील्ड की फरवरी में कुल बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 90,670 इकाई रही। एक साल पहले इसी महीने में कंपनी ने कुल 75,935 इकाइयां बेची थीं। रॉयल एनफील्ड ने बताया कि उसने फरवरी में घरेलू बाजार में 80,799 गाड़ियां बेचीं, जो पिछले साल फरवरी की घरेलू बिक्री से 19 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसका निर्यात फरवरी में 23 प्रतिशत बढ़कर 9,871 इकाई रहा, जो पिछले साल फरवरी में 8,013 इकाई था। रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी गोविंदराजन ने कहा कि कंपनी के मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो से वृद्धि को मदद मिली है।

किआ इंडिया की बिक्री फरवरी में 23.8 प्रतिशत बढ़कर 25,026 इकाई पर

नयी दिल्ली। वाहन विनिर्माता किआ इंडिया ने बताया कि फरवरी में उसकी कुल बिक्री 23.8 प्रतिशत बढ़कर 25,026 इकाई हो गई। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने 20,200 इकाइयां बेची थीं। किआ इंडिया ने एक बयान में कहा कि हाल ही में पेश की गई कॉम्पैक्ट एसयूवी सिरोस ने फरवरी में 20,000 से अधिक बुकिंग के साथ 5,425 इकाइयों की बिक्री दर्ज की। समीक्षाधीन अवधि में एसयूवी सोनेट और सेल्टोस की बिक्री क्रमशः 7,598 और 6,446 इकाई रही। किआ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और बिक्री एवं विपणन प्रमुख हरदीप सिंह बरार ने कहा, किआ इंडिया लगातार बढ़ रही है, जो ग्राहकों की मजबूत मांग और अत्याधुनिक गतिशीलता समाधान देने की हमारी प्रतिबद्धता से प्रेरित है।

वित्त मंत्रालय से फैंटेसी स्पोर्ट, वायदा-विकल्प मंच पर सख्त नियमन की मांग

नयी दिल्ली,। उपभोक्ता संगठनों और नागरिक संस्थाओं ने फैंटेसी स्पोर्ट और वायदा-विकल्प कारोबार मंच पर सख्त नियमन की मांग की है। गौरतलब है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत के साथ ही क्रिकेट सीजन की शुरुआत हो गई है और अगले महीने आईपीएल 2025 शुरू होगा।

नागरिक संस्था स्पंदन फाउंडेशन ने वित्त मंत्रालय को दिए गए एक ज्ञापन में इन गतिविधियों से संबंधित नियमन में कमी, भ्रामक विज्ञापनों और उपभोक्ता को होने वाले नुकसान के बारे में चिंता जताई। इससे पहले भारत में वायदा-विकल्प मंच पर तत्काल नियमन के लिए न्यू इंडियन कंज्यूमर इनिशिएटिव (एनआईसीआई) और पेन मीडिया लिटरेसी सहित 10 संगठनों ने संयुक्त रूप से ज्ञापन दिया था। स्पंदन फाउंडेशन ने अपने ज्ञापन में कहा कि फैंटेसी स्पोर्ट में नुकसान के कारण आम लोगों को वित्तीय संकट और भारी कर्ज का सामना करना पड़ा है। संस्था ने लोगों को वित्तीय संकट से बचाने के लिए सरकार से अनुरोध किया है कि इस बारे में कुछ नियम बनाए जाएं। स्पंदन ने कहा कि फैंटेसी स्पोर्ट और वायदा-विकल्प कारोबार मंच छिपे रूप में जुए के संचालन के समान हैं, जो कौशल आधारित गेमिंग के बहाने उपयोगकर्ताओं को गुमराह करते हैं।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की खुदरा बिक्री फरवरी में 16.3 प्रतिशत बढ़कर 4,956 इकाई पर

नयी दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की इस साल फरवरी में खुदरा बिक्री 16.3 प्रतिशत बढ़कर 4,956 इकाई हो गई है। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 4,261 गाड़ियों की बिक्री की थी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने बयान में कहा कि पिछले महीने थोक बिक्री 4,002 इकाई रही, जो फरवरी, 2024 में 4,595 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि यह कमी कंपनी के हलोल संयंत्र में उत्पादन में अस्थायी कमी के कारण हुई, क्योंकि नए उत्पादों को पेश करने और विंडसर उत्पादन स्थिरीकरण के लिए संयंत्र में आवश्यक संशोधन किए गए थे। कंपनी की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) लाइनअप ने महीने के दौरान इसकी कुल बिक्री में 78 प्रतिशत का योगदान दिया। एमजी विंडसर की भारतीय यात्री ईवी खंड में बाजार पैठ बढ़ गई है ।

कमजोर लिस्टिंग के बाद बीजासन एक्सप्लोटेक के शेयरों पर लगा अपर सर्किट, निवेशकों को 12.4 प्रतिशत का नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। माइनिंग और डिफेंस सेक्टर के लिए एक्सप्लोसिव बनाने वाली कंपनी बीजासन एक्सप्लोटेक के शेयरों ने आज कंपनी के आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 175 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 29 रुपये यानी 16.57 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ 146 रुपये के भाव पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 153.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस रिकवरी के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 12.40 प्रतिशत का नुकसान हो गया। बीजासन एक्सप्लोटेक का 59.93 करोड़ रुपये का आईपीओ

21 से 25 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.43 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 11.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.65 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 34,24,800 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए प्लांट और मशीनरी की खरीदारी करने, पुराने कर्ज को चुकाने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 2.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 2.94 करोड़ और 2023-24 में 4.87 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 8.33 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस अवधि में कंपनी 101.44 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल कर चुकी है।

चना कांटा, तुअर सस्ती, दालों में मिश्रित रंगत

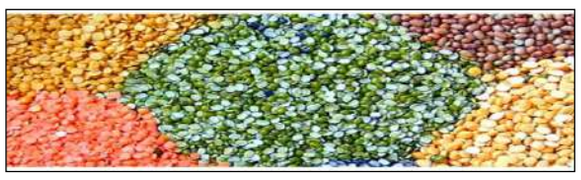

एजेंसी

इंदौर। संयोगितागंज अनाज मंडी में सप्ताहांत चना कांटा तथा तुअर सस्ती बिकी। मूंग- उड़द में कामकाज बना रहा। दालों के दामों में मिश्रित रंगत दर्ज की गई। चावल में खरीदी बनी बताई गई। सोमवार को चना कांटा 5800 से 6000 रुपये खुलने के बाद शनिवार को 5600 से 5900 रुपये होकर थमा। मूंग 8000 से 8400 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 7200 रुपये बिकी। भाव 8000 से 8400 रुपये बोले गए। कारोबार में तुअर 6500 से 7400 रुपये खुलकर 6500 से 7400 रुपये बिकी। उड़द 8000 से 8200 पर खुलकर 8000 से 8200 रुपये रही। मसूर 6000 से 6050 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर खुलने के बाद 6150 से 6200 रुपये प्रति क्विंटल होकर थमी। दालों में भाव मांग सुस्ती से ऊपर नीचे हुए। सप्ताहांत चना दाल के साथ तुअर कम होकर बिकी। मूंग दाल तथा मूंग मोगर महंगी बिकी। रवा, मैदा, गेहूं का आटा में लिवाली रही।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 86,610 रुपये से लेकर 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 79,390 रुपये से लेकर 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज कमजोरी दर्ज की गई है, जिसे कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख

शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सेबी की पूर्व प्रमुख माधवी पुरी बुच की बढ़ेगी मुसीबत, धोखाधड़ी के आरोप में दर्ज होगी प्राथमिकी

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के चेयरपर्सन पद से अवकाश ग्रहण करने के तुरंत बाद माधवी पुरी बुच की परेशानी बढ़ती हुई नजर आने लगी है। सेबी की पूर्व प्रमुख और पांच अन्य लोगों के खिलाफ शेयर बाजार में रेगुलेटरी प्रावधानों का उल्लंघन करने और कथित धोखाधड़ी के आरोप में प्राथमिक की दर्ज करने का आदेश दिया गया है। ये आदेश मुंबई की एक अदालत की ओर से जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है कि इस मामले में प्रथम दृष्ट्या रेगुलेटरी प्रावधानों के उल्लंघन और मिली भगत की बात नजर आती है। इसलिए मामले की निष्पक्ष जांच की जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि पिछले शुक्रवार को ही सेबी के चेयरपर्सन के रूप में माधवी पुरी बुच ने 3 साल का कार्यकाल पूरा किया है। अब उनके स्थान पर तुहिन कांत पांडे ने सेबी की कमान संभाल ली है। अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान माधवी पुरी बुच को कई आरोपों का सामना करना पड़ा। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने भी अपनी एक रिपोर्ट में माधवी पुरी बुच पर निशाना साधा था।

मुंबई की विशेष अदालत ने एंटी

करप्शन ब्यूरो को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और रेगुलेटरी प्रावधानों का उल्लंघन के संबंध में मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है। अदालत की ओर से कहा गया है कि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए वो खुद जांच की निगरानी करेगा। अदालत ने 30 दिन के अंदर स्टेटस रिपोर्ट जमा करने का भी निर्देश दिया है। अदालत की ओर से कहा गया है कि माधवी पुरी बुच पर लगाए गए आरोप संगीन अपराध का खुलासा करते हैं।

इसके पहले कोर्ट में एक याचिका दाखिल करके माधवी पुरी बुच समेत सेबी के अन्य अधिकारियों पर बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी करने, रेगुलेटरी प्रावधानों का उल्लंघन करने और भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया गया था। याचिका में शिकायतकर्ता की ओर से दावा किया गया था कि सेबी के अधिकारी अपने वैधानिक कर्तव्यों को निभाने में विफल रहे और बाजार में हेराफेरी को बढ़ावा दिया। इसके साथ ही निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करने वाली एक कंपनी को लिस्ट होने की अनुमति देकर कॉर्पोरेट धोखाधड़ी के लिए रास्ता भी खोला।

लगातार दूसरे महीने बिकवाल बने रहे विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, दो महीने में की 1.12 लाख करोड़ की निकासी

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जनवरी के बाद फरवरी के महीने में भी लगातार बिकवाल (सेलर) की भूमिका में बने रहे। फरवरी के महीने में एफपीआई ने इंडियन स्टॉक मार्केट से 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की। इस तरह 2025 के पहले 2 महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू शेयर बाजार से अभी तक 1.12 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जनवरी के महीने में भी घरेलू शेयर बाजार में लगातार बिकवाली करके 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे हालांकि जनवरी के पहले दिसंबर 2024 में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 15,446 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। इस साल की शुरुआत से ही अमेरिकी बाजार में बनी अनिश्चितता की

स्थिति और स्लोडाउन की आशंका के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक दुनिया भर के स्टॉक मार्केट से अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं। इसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी नजर आ रहा है। यही कारण है कि साल के पहले 2 महीने में ही विदेशी निवेशक अभी तक कुल 1,12,601 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि भारतीय शेयरों की हाई वैल्यूएशन और कॉर्पोरेट इनकम में वृद्धि को लेकर बनी चिंता के कारण भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय बाजारों में बिकवाली का दबाव बनाए हुए हैं। इसके साथ ही अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में हुई बढ़ोतरी, डॉलर इंडेक्स में आई तेजी और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के कारण भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल कर अमेरिकी एसेट्स में निवेश करने में जुटे हुए हैं। घरेलू शेयर बाजार में बने नकारात्मक माहौल की एक वजह तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे में आई कमजोरी भी रही है, जिसकी वजह से आर्थिक मंदी का डर बढ़ता जा रहा है।

पआईआईसीए ने भारत में ईएसजी नेतृत्व को सशक्त करने के लिए गोवा में एनएआईएल की बैठक की मेजबानी की

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय कॉर्पोरेट कार्य संस्थान (आईआईसीए) ने गोवा में नेशनल एसोसिएशन ऑफ इम्पैक्ट लीडर्स (एनएआईएल) मीट 2025 का आयोजन किया। इस महत?वपूर्ण कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें प्रख्यात ईएसजी पेशेवर, नीति निर्माता और विचारक शामिल थे। आईआईसीए के महानिदेशक व सीईओ अजय भूषण प्रसाद पांडे और राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आयोजित एनएआईएल में गहन विचारों का आदान-प्रदान करने, उभरती स्थिरता प्रवृत्तियों पर विमर्श करने और जिम्मेदार कॉर्पोरेट भविष्य के लिए एक नीति तैयार करने पर मंथन किया गया। बौद्धिक चर्चा के लिए मंच तैयार करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर गरिमा दाधीच, एसोसिएट प्रोफेसर और स्कूल ऑफ बिजनेस एनवायरनमेंट, आईआईसीए की प्रमुख द्वारा आयोजित स्वागत और संदर्भ सत्र से हुई। उन्होंने कॉर्पोरेट स्थिरता को बढ़ावा देने में ईएसजी नेतृत्व के बढ़ते महत्व को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया और संगठनात्मक रणनीतियों को नई वैश्विक नीतियों के अनुरूप करने की आवश्यकता के बारे में बताया। कार्यक्रम में इंफोसिस लिमिटेड की उपाध्यक्ष अरुणा सी. न्यूटन ने इस बारे में एक रोचक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया कि कैसे मजबूत शासन व्यवस्था हरित प्रौद्योगिकी को अपनाने में तेजी ला सकती है, जिससे अंततः कॉर्पोरेट स्थिरता की संस्कृति को बढ़ावा मिल सकता है।

अगले सप्ताह सिर्फ 1 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 4 कंपनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से शुरू हो रहा कारोबारी सप्ताह आईपीओ लॉन्चिंग के लिहाज से काफी ठंडा रहने वाला है। इस सप्ताह सिर्फ एक नए पब्लिक इश्यू की लॉन्चिंग होने वाली है। ये इश्यू भी मेनबोर्ड का नहीं, बल्कि एसएमई सेगमेंट का है। इसके अलावा पिछले सप्ताह 28 फरवरी को ओपन हुए एक इश्यू में भी 4 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी। जहां तक नए शेयरों की लिस्टिंग की बात है तो इस सप्ताह 4 कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे। इनमें भी मेनबोर्ड सेगमेंट की कोई कंपनी नहीं है। सभी चारों कंपनियों एसएमई सेगमेंट की हैं। सप्ताह के दूसरे कारोबार दिन 4 मार्च को टेक्सटाइल इंपोर्टर कंपनी एनएपीएस ग्लोबल इंडिया का 11.88 करोड़ रुपये का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा।

इस इश्यू में 6 मार्च तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 90 रुपये प्रति शेयर की कीमत तय की गई है, जबकि इसका लॉट साइज 1,600 शेयर का है। आईपीओ क्लोज होने के बाद 7 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। इसी तरह 11 मार्च को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इसके अलावा पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 28 फरवरी को लॉन्च हुए बालाजी फॉस्फेट्स लिमिटेड के आईपीओ में चार मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 66 से 70 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ को अभी तक 19 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। कंपनी के शेयर 7 मार्च को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। लिस्टिंग की बात करें तो सोमवार से शुरू हो रहे कारोबारी सप्ताह में पहले दिन ही 3 मार्च को बीजासन एक्सप्लोटेक के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसके अगले दिन 4 मार्च को न्यूक्लियस ऑफिस सॉल्यूशंस के शेयरों की लिस्टिंग भी बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ही होगी। इसके बाद बुधवार 5 मार्च को श्रीनाथ पेपर के शेयर भी बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। वहीं सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 7 मार्च को बालाजी फास्फेट्स के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी पर कोयला मंत्रालय गांधीनगर में करेगा तीसरा रोड शो

जेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्यिक कोयला खनन को बढ़ावा देने और निजी निवेश को आकर्षित करने के अपने चल रहे प्रयासों के तहत कोयला मंत्रालय गुजरात के गांधीनगर में वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी और निवेश अवसरों पर एक रोड शो आयोजित करेगा। इसका उद्देश्य भारत के कोयला क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी में तेजी लाने के लिए उद्योग के हितधारकों, संभावित निवेशकों और नीति निर्माताओं को एक साथ लाना है।

इस रोड शो कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे मुख्य अतिथि होंगे। उनके साथ कोयला मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव रूपिंदर बरार और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी नीलामी प्रक्रिया, निवेश परिदृश्य और क्षेत्र में विकास को गति देने वाली सरकारी पहल के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे।

कोयला मंत्रालय वाणिज्यिक कोयला खनन को बढ़ावा देने के लिए रोड शो की एक श्रृंखला के माध्यम से हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। कोलकाता और मुंबई में सफल आयोजनों के बाद मंत्रालय अब संभावित निवेशकों और उद्योग जगत के नेताओं को आकर्षित करने के लिए गांधीनगर में रोड शो आयोजित कर रहा है। वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी का आगामी 12वां दौर मार्च के दूसरे सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद है, जो घरेलू कोयला उत्पादन को बढ़ाने और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा। यह रोड शो कोयला उत्पादन को बढ़ावा देने, दक्षता बढ़ाने, नीति समर्थन और क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल है। प्रतिभागियों को कोयला ब्लॉकों की उपलब्धता, निवेश के अवसरों और भारत के कोयला उद्योग में व्यापार करने में आसानी के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मिलेगी। विशेषज्ञ कोयला प्रौद्योगिकी, स्थिरता उपायों और नीति सुधारों में प्रगति को भी उजागर करेंगे, जिसका उद्देश्य पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बाज़ार को बढ़ावा देना है। वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी भारत के कोयला भंडार की वास्तविक क्षमता को उजागर करने, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को आकर्षित करने और आयात निर्भरता को कम करने में सहायक रही है। निवेशक-अनुकूल नीतियों और तकनीकी प्रगति के साथ, कोयला मंत्रालय एक मजबूत और टिकाऊ कोयला क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62

रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.57 प्रतिशत लुढ़ककर 69.95 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, दौरान लंदन ब्रेंट क्रूड 0.37 प्रतिशत की तेजी लेकर 73.08 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

टॉप 10 में शामिल 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 3.09 लाख करोड़ की गिरावट, टीसीएस को सबसे ज्यादा नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में 3.09 लाख करोड़ से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को लगातार दूसरे सप्ताह सबसे अधिक नुकसान का सामना करना पड़ा। इसके अलावा टॉप 10 में शामिल दो कंपनियों के मार्केट कैप में इस सप्ताह 39,308.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई।

लगातार दूसरे सप्ताह सबसे अधिक नुकसान का सामना करने के कारण टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) मार्केट कैप के मामले में टॉप 10 कंपनियों की सूची में दूसरे स्थान से फिसल कर तीसरे स्थान पर आ गई है। दूसरी ओर, मार्केट कैप में बढ़ोतरी होने के कारण एचडीएफसी बैंक टॉप 10 कंपनियों की सूची में तीसरे स्थान से उछल कर दूसरे स्थान पर आ गया है। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, इंफोसिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), हिन्दुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में कुल 3,09,244.57 करोड़ रुपये की गिरावट आई। वहीं, एचडीएफसी बैंक, और बजाज फाइनेंस के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई।सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 1,09,211.97 करोड़ रुपये कम होकर 12,60,505.51 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह इंफोसिस का मार्केट कैप 52,697.93 करोड़ रुपये घट कर 7,01,002.22 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा भारती एयरटेल का मार्केट कैप 39,230.10 करोड़ रुपये कम होकर 8,94,993.67 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 38,025.97 करोड़ रुपये फिसल कर 16,23,343.45 करोड़ रुपये के स्तर पर, स्टेट बैंक

ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 29,718.99 करोड़ रुपये गिर कर 6,14,236.97 करोड़ रुपये के स्तर पर, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 20,775.78 करोड़ रुपये कम होकर 8,49,803.90 करोड़ रुपये के स्तर पर, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 11,700.97 करोड़ रुपये घट कर 5,14,983.41 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईटीसी का मार्केट कैप 7,882.86 करोड़ रुपये कम होकर 4,93,867.57 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 30,258.49 करोड़ रुपये बढ़ कर 13,24,411.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 9,050.24 करोड़ रुपये बढ़ कर 5,29,516.99 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 16,23,343.45 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही।

एयर इंडिया ने इज़रायल के लिए उड़ानें फिर से शुरू की

यरूशलम। देश की प्रमुख विमानन कंपनी एयर इंडिया ने सात महीने के निलंबन के बाद इजरायल के लिए अपनी उड़ानें फिर से शुरू कर दीं। परिचालन दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सीधी उड़ान के साथ शुरू हुआ और तेल अवीव के बाहर बेन गुरियन हवाई अड्डे पर उतरी। एयर इंडिया अब दिल्ली और तेल अवीव के बीच पांच साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी, जिसके साथ वह दोनों देशों के बीच सीधी सेवाएं देने वाली एकमात्र एयरलाइन बन जाएगी। इज़रायल में बहु-मोर्चे संघर्ष तेज होने के बाद, मध्य पूर्व क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच अधिकांश विदेशी एयरलाइनों ने तेल अवीव के लिए अपनी उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित कर दीं थी।

दक्षिण-पश्चिमी रूस में तेल रिफाइनरी में लगी आग

मॉस्को। रूस के दक्षिण-पश्चिमी शहर उफा में एक तेल रिफाइनरी में आग लग गई,हालांकि इससे स्थानीय निवासियों को कोई खतरा नहीं है। देश की आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। रूसी आपातकालीन स्थिति मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय ने कहा, प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि आग सुविधा के भस्मक क्षेत्र में लगी थी, जिससे आसपास के निवासियों को कोई खतरा नहीं है। कार्यालय ने कहा, आग की रिपोर्ट मिलने के बाद आपातकालीन कर्मचारियों को रात भर उच्च प्रतिक्रिया स्तर पर तैनात किया गया था। उन्होंने कहा कि हवा की गुणवत्ता की निगरानी के लिए एक प्रयोगशाला भेजी गई है। टेलीग्राम चैनल 'बाजा' ने बताया कि उफ़ा निवासियों ने विस्फोट से पहले ड्रोन जैसी आवाज़ सुनी।

सीरिया में गोलीबारी में 4 की मौत, 13 घायल

दमिश्क। मध्य सीरिया के हामा के हयालिन गांव में एक मोटरसाइकिल सवार बंदूकधारी ने उपासकों के एक समूह पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 13 से अधिक अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया 'शैम एफएम' की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी।रिपोर्ट के अनुसार हमलावर ने एक मस्जिद से निकल रहे लोगों को निशाना बनाया, जिससे दहशत और अफरा-तफरी मच गई और आपातकालीन टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। सीरियाई नागरिक सुरक्षा दल घायलों की सहायता के लिए घटनास्थल पर पहुंचे, जबकि सुरक्षा बलों ने हमलावर की तलाश शुरू कर दी। अधिकारियों ने अभी तक हमले के मकसद का खुलासा नहीं किया है, जिसके लिए किसी समूह ने जिम्मेदारी का दावा नहीं किया है।

अमेरिकी रक्षा विभाग दक्षिणी सीमा पर भेजेगा 3,000 अतिरिक्त सैनिक

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग मेक्सिको से लगी दक्षिणी सीमा पर लगभग 3,000 सैनिकों को भेज रहा है। 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने अमेरिकी रक्षा अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को इन आदेशों को मंजूरी प्रदान की। इनमें स्ट्राइकर ब्रिगेड लड़ाकू टीम और एक सामान्य सहायता विमानन बटालियन शामिल हैं, आने वाले हफ्तों में लगभग 2,000 मील की सीमा पर पहुंचेंगी। पेंटागन ने कहा कि नए सैनिक वर्तमान सीमा सुरक्षा अभियानों को मजबूती प्रदान करेंगे और विस्तारित करेंगे जिससे सीमा को सील किया जा सके और अमेरिका की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा की जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सीमा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने अपने कार्यालय में पहले दिन मेक्सिको के साथ अमेरिकी सीमा पर एक राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की जिससे अवैध प्रवासियों के प्रवेश को व्यापक रूप से रोका जा सकें।

संघर्ष विराम वार्ता ठप्प होने से गाजावासियों की बढ़ी चिंता, कहीं फिर से शुरू न हो जाए जंग

एजेंसी

गाजा । गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों ने इस साल रमजान का स्वागत भारी मन से किया। तबाह हो चुके शहर के निवासियों को युद्ध विराम समझौते कहीं टूट न जाए और इजरायली हमले फिर से शुरू न हो जाए। समाचार एजेंसी के अनुसार, फिलीस्तीन और इजरायल के बीच संघर्ष विराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। दूसरे चरण का कोई संकेत न मिलने के कारण गाजा के लोग अब बहुत चिंता में हैं और उन्हें डर है कि युद्ध कभी भी फिर से शुरू हो सकता है। गाजा की सड़कों पर पहले लोगों का आवागमन रहता था। लेकिन, अब यह खंडहर में बदल चुकी हैं। टूटे हुए घरों का मलबा तबाही की याद दिलाता है और हवा में बारूद, मौत और सड़ी गली चीजों की बदबू फैली हुई है।

दक्षिणी गाजा के खान यूनिस की ओम मोहम्मद अल-नज्जर कहती हैं, हर दिन जब गोलाबारी नहीं होती, तो थोड़ा आराम मिलता है। लेकिन हम हमेशा इस डर में जीते हैं कि कहीं हमले फिर से न शुरू हो जाएं। हाल ही में हुई बमबारी में उनका घर भी नष्ट हो गया।

उन्होंने कहा, हमने बहुत दुख सहा है। रमजान शांति का समय होना चाहिए, लेकिन यहां कोई शांति नहीं है। गाजा सिटी के 45 वर्षीय मोहम्मद अल-दहदौह, जो चार बच्चों के पिता हैं, बताते हैं कि उनका परिवार पहले खुशी-खुशी अपने घर को लालटेन और चमकीले रंगों से सजाता था। रसोई में पारंपरिक मध्य पूर्वी व्यंजन, मकलूबा और कतायेफ़ की खुशबू फैल जाती थी और पूरे घर में हंसी की आवाजें गूंजती थीं।

अल-दहदौह ने बताया, रमजान का मतलब होता था इफ्तार की मेज पर परिवार का एक साथ होना, बच्चों की हंसी की आवाज़ और घर में खाने की खुशबू का होना।÷ अब, न घर है, न मेज। हम एक छोटे से तंबू में रह रहे हैं और हमारे पास जो खाना है, वह मुश्किल से पर्याप्त है। राफा शहर की एक फिलिस्तीनी महिला, तसाहिल नासर ने बताया पवित्र रमजान का महीना गाजा में अपनी खुशियां खो चुका है। यहां कोई लालटेन नहीं हैं, कोई सजावट नहीं हैं, और न ही हलचल भरे बाजार हैं। इसके बजाय, यहां मौत का सन्नाटा है और हमेशा विनाश की गंध फैलती रहती है। नासर इजरायली हवाई हमले में अपने पति, भाइयों और माता-पिता को खो चुकी है। उन्होंने कहा, ÷हमारे प्रियजन चले गए हैं और अब हमारे पास आगे बढ़ने की ताकत नहीं है। दर्द लगातार बना हुआ है, अब यह और भी बढ़ गया है, क्योंकि पवित्र रमजान का महीना उस परिवार की यादें लेकर आता है, जिसे मैंने खो दिया है।

कुछ गाजावासी दर्द में टूटना नहीं चाहते। मध्य गाजा के डेर अल-बलाह के 35 वर्षीय अर्कान रादी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपने तंबू में रमजान की कुछ सजावट की हैं। रेडी ने कहा, ये एक संदेश हैं कि हम अभी भी यहां हैं। अभी भी जीवन को थामे हुए हैं, चाहे हालात कितने भी बुरे क्यों न हों। यह कोई समाधान नहीं है, लेकिन मैं अपने बच्चों के लिए कुछ उम्मीद और खुशी लाना चाहती हूं।

निजी अमेरिकी कंपनी का अंतरिक्ष यान सफलतापूर्वक चांद पर उतरा

एजेंसी

वाशिंगटन। फायरफ्लाई एयरोस्पेस का ब्लू घोस्ट चंद्र लैंडर सफलतापूर्वक चंद्रमा के मैरे क्रिसियम क्षेत्र में उतर गया। यह मिशन 15 जनवरी, 2025 को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपण के साथ शुरू हुआ और रविवार, को सटीक लैंडिंग के साथ समाप्त हुआ। फायरफ्लाई स्पेस, टेक्सास स्थित एक अमेरिकी निजी क्षेत्र की एयरोस्पेस फर्म है, जो अंतरिक्ष वाहनों के डिजाइन, निर्माण और प्रक्षेपण संचालन से संबंधित है। नासा की पोस्ट के अनुसार, कर्मशियल कंपनी के ब्लू घोस्ट चंद्र लैंडर ने नासा के 10 वैज्ञानिक उपकरण और तकनीकी डेमो को सुरक्षित रूप से चंद्रमा पर पहुंचा दिया। नासा के मुताबिक, ब्लू घोस्ट के मिशन के दौरान, एजेंसी के वैज्ञानिक उपकरणों का लक्ष्य चंद्र उपसतह ड्रिलिंग टेक्नोलॉजी, रेगोलिथ नमूना संग्रह क्षमताओं, ग्लोबल नेविगेशन उपग्रह प्रणाली क्षमताओं, विकिरण सहनशील कंप्यूटिंग और चंद्र धूल शमन विधियों का परीक्षण और प्रदर्शन करना है। कैप्चर किए गए डाटा से पृथ्वी पर मनुष्यों को भी लाभ हो सकता है, क्योंकि इससे यह पता चल सकता है कि अंतरिक्ष का मौसम और अन्य ब्रह्मांडीय ताकतें पृथ्वी को कैसे प्रभावित करती हैं। नासा की कार्यवाहक प्रशासक जेनेट पेट्रो ने कहा, यह अविश्वसनीय उपलब्धि दर्शाती है कि कैसे नासा और अमेरिकी कंपनियां सभी के लाभ के लिए अंतरिक्ष अन्वेषण में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। यह मिशन नासा-उद्योग साझेदारी का हिस्सा है जिसका उद्देश्य लागत कम करना और आर्टेमिस प्रोग्राम को समर्थन देना है, जो अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर वापस भेजने के लिए बनाया गया है। फरवरी 2024 में, इंट्यूटिव मशीन्स चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाली पहली निजी कंपनी बन गई। 1972 के अपोलो 17 मिशन के बाद यह अमेरिका की पहली लैंडिंग भी थी।

यूक्रेन का अमेरिका ने दिया साथ, इसके लिए उनका आभार : जेलेंस्की

एजेंसी

नई दिल्ली । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ चल रहे युद्ध के दौरान अमेरिका से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक वीडियो संदेश पोस्ट कर कहा कि यूक्रेन को अमेरिका से मिल रहे समर्थन की महत्वपूर्ण भूमिका को वह समझते हैं और इसके लिए आभारी हैं।

जेलेंस्की का यह बयान व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस द्वारा यूक्रेन से पर्याप्त आभार व्यक्त न करने की बात कहने और संघर्ष विराम के प्रस्तावों को अस्वीकार करने के बाद आया। जेलेंस्की ने वीडियो में यह भी बताया कि यूरोप से उन्हें समर्थन और एकता मिल रही है और इस सहयोग को मजबूत बनाने की इच्छा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन का लक्ष्य शांति है, न कि ÷अंतहीन युद्ध÷, और इसके लिए उन्हें ÷वास्तविक सुरक्षा गारंटी÷ की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पूरे यूरोप, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और तुर्की समेत कई देशों का यह मुख्य मुद्दा है। इसके अलावा, जेलेंस्की ने यूक्रेनी लोगों की लचीलापन की सराहना करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता को बचाने के लिए चल रहे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के लिए वे हमेशा कृतज्ञ (थैंकफुल) महसूस कर रहे हैं। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि यूक्रेन का लचीलापन इस बात पर आधारित है कि उनके साझेदार उनकी और अपनी सुरक्षा के लिए क्या कर रहे हैं। जेलेंस्की का यह संदेश लंदन में हुए एक शिखर सम्मेलन के बाद आया, जहां विभिन्न देशों

के नेता रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए थे। इस सम्मेलन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूरूडो और इटली के प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी शामिल थे। यह सम्मेलन 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की एकजुटता को दिखाने का एक अहम मौका था।

संघर्ष के कारण महीनों तक बंद रहने के बाद इजरायल में फिर से खुले स्कूल

एजेंसी

यरूसलम । उत्तर इजरायल में लगभग डेढ़ साल बाद स्कूल दोबारा खुले हैं। अक्टूबर 2023 में लेबनान सीमा पर इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद ये स्कूल बंद कर दिए गए थे।न्यूज एजेंसी के अनुसार, इजरायली शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि स्कूलों को धीरे-धीरे खोला जाएगा क्योंकि युद्ध के दौरान स्कूलों की इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, और बहुत से छात्र अपने परिवारों के साथ देश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में चले गए थे।

अभिभावकों के लिए जारी एक सूचना में मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर 2023 में उत्तरी इजरायल के 43 शहरों, कस्बों और गांवों के 195 स्कूलों और किंडरगार्टन के करीब 12,600 छात्रों को उनके परिवारों के साथ निकाला गया था। मंत्रालय ने कहा कि अब प्रत्येक परिवार यह तय कर सकता है कि वे अपने घर लौटकर बच्चों को फिर से पुराने स्कूल में दाखिला दिलाएं या जहां वे स्थानांतरित हुए थे, वहीं पढ़ाई

जारी रखें। इसके अलावा, सरकार ने स्कूल के बाद की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए 50 मिलियन शेकेल (करीब 13.89 मिलियन डॉलर) का बजट जारी किया है। साथ ही, बच्चों की मानसिक स्थिति को मजबूत करने के लिए विशेष सहायता और मार्गदर्शन कार्यक्रम शुरू किए गए हैं ताकि वे इस संघर्ष के प्रभाव से उबर सकें।

इसके अलावा, इजरायल ने गाजा पट्टी में रमजान और यहूदी पर्व पासओवर के दौरान अस्थायी संघर्ष विराम के लिए अमेरिका के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह घोषणा शनिवार और मध्यरात्रि को प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से की गई। रमजान शुक्रवार से शुरू हो चुका है और 30 मार्च तक चलेगा, जबकि यहूदी पर्व पासओवर 12 से 20 अप्रैल तक मनाया जाएगा। अमेरिका के मध्य पूर्व के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के प्रस्ताव के अनुसार, बढ़े हुए युद्धविराम के पहले दिन, हमास द्वारा गाजा में बंधक बनाए गए जीवित और मृत लगभग 59 इजरायली बंधकों में आधे को लौटाया जाएगा।

ब्रिटिश पीएम ने यूक्रेन के लिए 1.6 बिलियन पाउंड के मिसाइल सौदे का किया ऐलान

एजेंसी

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने यूक्रेन की मदद के लिए बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यूके, कीव को 5,000 से अधिक एयर डिफेंस मिसाइलों की खरीद के लिए ब्रिटिश निर्यात वित्त के 1.6 बिलियन पाउंड (2 बिलियन डॉलर) इस्तेमाल करने की अनुमति देगा। लंदन में पश्चिमी नेताओं के साथ शिखर सम्मेलन के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्टारमर ने कहा, यह बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और यूक्रेन की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण होगा। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्टारमर ने कहा कि इसका लक्ष्य यूक्रेन को सबसे मजबूत स्थिति में लाना है, ताकि देश बेहतर स्थिति में रहकर बातचीत कर सके। स्टार्मर ने कहा कि शिखर सम्मेलन में नेताओं ने यूक्रेन में शांति की गारंटी के लिए चार-चरणीय योजना पर

सहमति व्यक्त की। इसके तहत - संघर्ष जारी रहने तक यूक्रेन को सैन्य सहायता जारी रखना, रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना; यह सुनिश्चित करना कि कोई भी स्थायी शांति यूक्रेन की संप्रभुता और सुरक्षा की गारंटी दे, किसी भी वार्ता के लिए यूक्रेन को मेज पर रखना; शांति समझौते की स्थिति में रूस द्वारा किसी भी भविष्य के आक्रमण को रोकना; यूक्रेन की रक्षा करने और देश में शांति बनाए रखने के लिए इच्छुक लोगों का गठबंधन स्थापित करना- शामिल है। स्टारमर ने कहा कि नेताओं ने इन प्रयासों के पीछे की गति को बनाए रखने के लिए जल्द ही फिर से मिलने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा, यूरोप को भारी काम करना चाहिए। ब्रिटिश पीएम ने इस बात पर जोर दिया कि समझौते को अमेरिका के समर्थन की जरूरत है। उन्होंने कहा, ÷मैं स्पष्ट कर दूं कि हम स्थायी शांति की तत्काल आवश्यकता पर ट्रम्प से सहमत हैं। अब हमें मिलकर काम करने की जरूरत है। शिखर सम्मेलन से पहले स्टारमर ने घोषणा की कि ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन अमेरिका के सामने पेश करने के लिए युद्धविराम योजना पर काम करेंगे। उन्होंने स्थायी शांति हासिल करने के लिए तीन जरूरी बिंदुओं का नाम लिया - मजबूत यूक्रेन, सुरक्षा गारंटी के साथ एक यूरोपीय तत्व और एक अमेरिकी बैकस्टॉप, इनमें से अंतिम गहन चर्चा का विषय है।

पाकिस्तान से अफगान प्रवासियों का जबरन निर्वासन रोका जाए, मानवाधिकार संगठनों की इस्लामाबाद से गुहार

एजेंसी

काबुल। मानवाधिकार संगठनों और शरणार्थी समर्थक समूहों के गठबंधन ने पाकिस्तान से अफगान प्रवासियों के जबरन निर्वासन को तुरंत रोकने की मांग की। गठबंधन ने कहा कि जबरन निर्वासन की नीति अंतरराष्ट्रीय कानून और शरणार्थियों की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करती है। स्थानीय अफगान मीडिया अमू टीवी ने यह जानकारी दी।

इन संगठनों ने पाकिस्तानी सरकार को एक खुला पत्र लिखा, जिसमें कहा गया कि ये अफगान प्रवासी उत्पीड़न, उल्लंघन और दमन से बचने के लिए अपने ही देश से भागे हैं। पाकिस्तान ने 31 मार्च, 2025 तक अफगान प्रवासियों के लिए स्वेच्छा से देश छोड़ने या जबरन निष्कासन का सामना करने की समय-सीमा तय की है। ये अफगान प्रवासी संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पत्र में पाकिस्तान में अफगान प्रवासियों पर लगाए गए अत्यधिक वीजा शुल्क की निंदा की गई। इसमें कहा गया कि निर्वासन के खतरे ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। गठबंधन ने पाकिस्तानी पुलिस की कार्रवाइयों पर भी चिंता जताई, जिन्होंने कई मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और बिना परिवार या कानूनी अभिभावकों के बच्चों को भी निर्वासित किया। निर्वासन के जोखिम का सामना करने वालों में गर्भवती महिलाएं और विकलांग व्यक्ति भी शामिल हैं। पत्र में गठबंधन ने आरोप लगाया कि वैध वीजा और कानूनी निवास परमिट वाले अफगानों को जबरन निर्वासित किया गया ।

नेपाल की राष्ट्रीय सभा में बहुमत के लिए दल विभाजन विधेयक लाने की तैयारी में ओली सरकार

एजेंसी

ताइपे । हांगकांग और मकाऊ के रहने वालों को अब ताइवान में स्थायी निवास मिलने में रियायत नहीं दी जाएगी। चीन की नीतियों के चलते ताइवान अपने नागरिकता कानूनों को कड़ा करने पर विचार कर रहा है।ताइवान सरकार हांगकांग और मकाऊ के निवासियों के लिए नागरिकता पाने के वैकल्पिक रास्ते को खत्म करने और स्थायी निवास की पात्रता की शर्तों को सख्त करने पर विचार कर रही है। यह जानकारी 'ताइपे टाइम्स' ने अपने सूत्रों के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, नाम न बताने की शर्त पर मामले से परिचित एक अधिकारी ने 'ताइपे टाइम्स' को बताया कि ताइवान सरकार हांगकांग और मकाऊ के निवासियों के लिए आव्रजन कानूनों में बदलाव कर सकती है। इस कदम का मकसद चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) को इन क्षेत्रों के जरिए

ताइवान में घुसपैठ करने से रोकना है। अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित बदलावों के तहत, चीन के क्षेत्रों से आने वाले लोगों को ताइवान में स्थायी निवास पाने से पहले चार साल तक रहना होगा, जबकि अब यह समय एक साल है। इसके बाद, वे स्थायी निवास प्राप्त करने के बाद ताइवान की नागरिकता के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि प्रस्तावित बदलावों के तहत, हांगकांग या मकाऊ के उन निवास आवेदकों की कड़ी जांच की जाएगी, जिन्होंने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी), चीनी सेना या चीनी सरकारी संस्थाओं के लिए काम किया है और उनके आवेदनों को संभवतः अस्वीकार भी किया जा सकता है। अधिकारी ने बताया कि यह कदम ताइवान के 'राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कानूनी सुधार' का हिस्सा है। ताइवान, हांगकांग में बदलती स्थिति को देखते हुए इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, जहां 1997 के बाद से 2 मिलियन से ज्यादा चीनी लोग हांगकांग में बस चुके हैं। बता दें 1997 में ब्रिटने हांगकांग को चीन को सौंपा था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीजिंग ने 2020 में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने के बाद हांगकांग की स्थिति को काफी बदल दिया और चीनी प्रभाव को बढ़ाया। इन सब के चलते हांगकांग के लोगों के लिए ताइवान की आसान आव्रजन नीतियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ी समस्या बन गई।

अमेरिका संग निरस्त खनिज सौदे पर हस्ताक्षर को तैयार जेलेंस्की

एजेंसी

लंदन । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका के साथ निरस्त खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। जेलेंस्की का यह बयान रविवार (स्थानीय समयानुसार) को लंदन में यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन में यूक्रेन को मिले समर्थन के बाद आया।

शिखर सम्मेलन यूक्रेन के भविष्य और यूरोप के साथ उसके संबंधों पर केंद्रित था। शिखर सम्मेलन के बाद, जेलेंस्की ने संवाददाताओं से कहा, 'अगर हम खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए सहमत हुए, तो हम इस पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा,'अगर दोनों पक्ष तैयार हैं, तो मेज पर मौजूद समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। हालांकि, इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं थी कि अमेरिका दोनों पक्षों द्वारा तैयार किए गए और हस्ताक्षर के लिए तैयार समझौते को जारी रखने के लिए तैयार है या नहीं। अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अगर वह लड़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो समझौता बेमानी हो जाएगा।

जेलेंस्की ने कहा है कि वह पहले अमेरिका से रूस के साथ युद्ध खत्म करना चाहते हैं लेकिन इससे पहले अपने देश की सुरक्षा की गारंटी चाहते हैं। इस बीच, फ्रांस और ब्रिटेन ने शांति प्रयासों को गति देने की कोशिश की, जिसके प्रति खास आग्रह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दिखाया गया, जबकि जेलेंस्की ने इसके प्रति संदेह जताया है। स्टार्मर ने कहा कि वह और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जेलेंस्की के साथ मिलकर एक शांति योजना बनाएंगे और इसे ट्रंप के समक्ष रखेंगे। उन्होंने यह भी बताया, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस और संभवतः एक या दो अन्य देशों के साथ मिलकर यूक्रेन के साथ मिलकर लड़ाई रोकने की योजना पर काम करेगा और फिर हम उस योजना पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ चर्चा करेंगे।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक योजना का सुझाव दिया, जिसके तहत यह एक महीने के युद्धविराम से शुरू हो सकता है, जो पूर्ण शांति समझौते की प्रस्तावना होगी। मैक्रों ने कहा कि शुरुआत में युद्धविराम हवाई, समुद्री और ऊर्जा अवसंरचना को कवर करेगा न कि जमीनी लड़ाई को क्योंकि जमीनी निगरानी करना मुश्किल होगा।

ट्यूनीशिया की समुद्री इकाई ने पूर्वी तट से 64 लोगों को बचाया

एजेंसी

ट्यूनिस। ट्यूनीशिया के पूर्वी प्रांत महदिया में एक समुद्री इकाई ने यूरोप पहुंचने की कोशिश करते समय समुद्र में फंसे 64 लोगों को बचाया है। ट्यूनीशिया के सीमा शुल्क महानिदेशालय ने अपने फेसबुक अकाउंट के माध्यम से यह जानकारी दी। महानिदेशालय के अनुसार,

विभिन्न देशों के 64 लोग समुद्र में ईंधन खत्म हो रही एक नाव पर पाए गए। इन लोगों को पता समुद्री इकाई की ओर से अनियमित आव्रजन से लड़ने के उद्देश्य से संचालित तलाश एवं बचाव अभियान के दौरान चला। बयान में कहा गया है कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि नाव एक पड़ोसी देश से रवाना हुई थी, हालांकि यह निर्दिष्ट नहीं किया गया कि वह कौन सा देश है। इन व्यक्तियों को चेब्बा के बंदरगाह में ले जाया गया है और आगे की कानूनी प्रक्रियाओं के लिए ट्यूनीशियाई तट रक्षक को सौंप दिया गया है। गौरतलब है कि मध्य भूमध्य सागर में स्थित, ट्यूनीशिया यूरोप में पार करने के इच्छुक अवैध प्रवासियों के लिए एक प्रमुख पारगमन बिंदु बना हुआ है।

बंधकों को वापस पाने के लिए इजरायल के सामने सिर्फ एक रास्ता : हमास

एजेंसी

गाजा । हमास ने कहा कि इजरायल सिर्फ 'कैदी अदला-बदली समझौते' के जरिए ही अपने बंदियों को वापस पा सकता है। वरिष्ठ अधिकारी महमूद मर्दावी ने एक प्रेस बयान में यह बात कही।मर्दावी ने कहा, 'इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अगर यह सोचते हैं कि गाजा पट्टी पर थोपे गए भुखमरी युद्ध माध्यम से वे अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे, तो वे भ्रम में हैं।' समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार मर्दावी ने समझौते के तहत तय सभी चरणों को मूल रूप में लागू करने पर जोर दिया और इजरायल की ओर से पहले चरण को आगे बढ़ाने का विरोध किया। हमास नेता ने मध्यस्थों से यह सुनिश्चित करने की भी अपील की कि इजरायल समझौते की शर्तों का पालन करे। उन्होंने मध्यस्थों से यह भी कहा कि वे सुनिश्चित करें कि इजरायल समझौते की शर्तों का पालन करे, जैसा कि सहमति हुई थी। हमास और इजरायल के बीच तीन-चरणीय समझौते का पहला 42-दिवसीय चरण, जिसमें मानवीय सहायता में वृद्धि शामिल थी, समाप्त हो गया। समझौते के तहत, दोनों पक्षों के बीच दूसरे चरण पर बातचीत करने की उम्मीद थी, जिसमें गाजा से इजरायल की पूर्ण वापसी और स्थायी युद्धविराम के बदले में हमास को बाकी बंधकों को रिहा करना था। हालांकि इजरायल ने घोषणा की कि वह संघर्ष विराम के पहले चरण को रमजान और पासओवर [यहूदी त्योहार] या 20 अप्रैल तक बढ़ाने के प्रस्ताव का समर्थन करता है। उसने कहा कि यह प्रस्ताव ट्रंप प्रशासन के मध्यपूर्व दूत स्टीव विटकॉफ की ओर से आया है। इजरायल ने न सिर्फ

अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है बल्कि गाजा में सभी वस्तुओं की सप्लाई रोकने का भी फैसला किया। यहूदी राष्ट्र ने कहा कि हमास द्वारा विटकॉफ प्रस्ताव को स्वीकार न करने की वजह से उसने सभी चीजों आपूर्ति पर रोक लगाई है। हमास ने अस्थायी युद्ध विराम के अमेरिकी प्रस्ताव को स्वाकारने के लिए इजरायल की आलोचना की। फिलिस्तीनी ग्रुप के मुताबिक यहूदी राष्ट्र का यह कदम गाजा युद्ध विराम समझौते के दूसरे चरण के लिए वार्ता को टालने की कोशिश है। फिलिस्तीनी ग्रुप ने कहा कि गाजा में मानवीय सहायता को रोकने का नेतन्याहू का फैसला सस्ता ब्लैकमेल, युद्ध अपराध और समझौते के खिलाफ एक जबरदस्त उल्लंघन है। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल पर बड़ा हमला किया था। हमास के सदस्यों ने करीब 12,00 लोगों को मार दिया और 251 लोगों को बंधक बना लिया। इसके बाद इजरायल ने हमास के नियंत्रण वाली गाजा पट्टी पर हमले शुरू कर दिए। इजरायल के हमले में 48 हजार से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि इजरायल के हमलों से गाजा की लगभग दो-तिहाई इमारतें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई।

नर्सरी के व्यापार को कैसे शुरू करें

पौधों को उगाने का या प्लांट नर्सरी व्यापार कैसे शुरू करें

आज का युग फैशन का युग है हर कोई अच्छा दिखना और रहना चाहता है. और ऐसा होना भी चाहिए, कोई पैसा कमाता क्यों है ? ताकि वह अच्छे से जीवन यापन कर सके, अपने शौक पूरे कर सके, अच्छा पहन सके, अच्छा खा सके, और अपनी हर ख्वाइश पूरी कर सके. हर किसी को एक खूबसूरत माहौल में जीवन बिताना अच्छा लगता है, और अपने आस-पास की खूबसूरती बढ़ाने का एक अच्छा तरीका है, अपने आस-पास सुंदर पेड़ लगाना, अच्छी खुशबू और फूलों के रंग बिरंगे रंगो से घिरे रहना. आज-कल कई ऐसे तरह के पौधे आते है, जो आपके घर की शोभा भी बढ़ाते है. मनुष्य की इसी मांग से आज के समय में नर्सरी का व्यापार पहचान में आया, जिसे कई लोगों ने शुरू कर अच्छा खासा मुनाफा भी कमाया है.

पौधों को उगाने वाली या प्लांट नर्सरी क्या है

नर्सरी उपजाऊ जमीन का एक छोटा सा हिस्सा होता है, जहां बीज या अन्य साधनों के माध्यम से पेड़ो को तैयार किया जाता है, और इन तैयार पेड़ो को किचन, बगीचे या अन्य व्यापारिक उद्देश्य से बाजार में बेचा जाता है. यहाँ अच्छी गुणवत्ता के बीजों से पेड़ों को तैयार किया जाता है, और तब तक उनका ध्यान रखा जाता है, जब तक की वे घरों में खेतों में लगाने लायक ना हो जाए. नर्सरी में कई तरह के पेड़ों जैसे सजावट के पेड़, फलों के पेड़, फूल के पेड़ आदि को तैयार किया जाता है और बेचा जाता है.

प्लांट नर्सरी व्यापार के उद्देश्य

इस व्यापार का उद्देश्य खेतों, घरों और अन्य उद्देश्य के लिए अच्छी किस्म के पौधे या बीज उपलब्ध करवाना है, ताकि अच्छे पेड़ और फसल तैयार हो सकें. इसके अलावा किसी भी अन्य व्यापार की तरह इसका एक उद्देश्य बाजार में पेड़ बेचकर लाभ कमाना भी है.

नर्सरी के व्यापार को कैसे शुरू करें

आज के समय में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम के द्वार लोगों को जिस तरह से पेड़ों और स्वास्थ्य वायु के महत्व के लिए जागरूक किया जा रहा है, उससे आज की पीढ़ी के लोग भी हरे पेड़ पौधे लगाने के लिए प्रेरित हो रहे है. आज घर में बन रहे छोटे से बगीचे और जहां संभव हो सके, छोटे-छोटे पौधो को संख्या में वृद्धि देखी जा सकती है. अधिकतर घर और काम करने की जगह में भी आज पेड़ पौधो को संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है. एक रिसर्च के अनुसार

काम करने की जगह पर पेड़ पौधो की अधिकता से वहां काम करने वाले लोग अच्छा महसूस करते है. इन सब कारणों को देखते हुए हम नर्सरी बिजनेस की आवश्यकता को समझ सकते है.

हर व्यापार में आपको कुछ चीजों की जरूरत होती है, ताकि आप अपने व्यापार को सुचारु रूप से चला सके. इस व्यापार में लगने वाली आवश्यक चीजें निम्न है.

जगह - किसी भी व्यापार के लिए जगह सबसे महत्वपूर्ण चीज है, जहां आप अपने काम के संबंधित प्रक्रिया पूर्ण करते है. नर्सरी के व्यापार में भी आपको पौधे को लगाने और उन्हे तैयार करने के लिए जगह की आवश्यकता होती है, इसके अलावा यदि आप पौधे को गमले मे लगाते है, तब भी उन गमलों को रखने के लिए आपको जगह की आवश्यकता होगी. परंतु इसके लिए आपको अलग से जगह का प्रबंध करने की बिलकुल आवश्यकता नहीं है, आप चाहें तो छोटे स्तर पर अपने घर के आँगन में भी इसे शुरू कर सकते है.

मिट्टी - पौधे को लगाने के लिए मिट्टी महत्वपूर्ण चीज है, इसके बिना यह व्यापार संभव नहीं है. और अगर आपको बागबानी की जानकारी है, तो आपको मालूम होगा, कि केवल प्लेन मिट्टी में पौधे को लगाने से वे ठीक तरह से नहीं पनप पाते, इसलिए इनके अच्छे से पोषण के लिए आपको मिट्टी में रेत, खाद आदि अन्य चीजें मिलाकर उसे तैयार करना पड़ता है.

रसायनिक और जैविक खाद - आपको अपने पौधे और बीजों की रक्षा विभिन्न बीमारियों करना आवश्यक है, इसलिए इस व्यापार में आपको विभिन्न कीटनाशक, जीवनाशक और अन्य रसायनों की जरूरत पड़ेगी. इसके अलावा अपने पौधो को उचित पोषण देकर उन्हे तैयार करने के लिए आपको उचित मात्रा में रासायनिक और जैविक खाद की भी आवश्यकता पड़ेगी.

आवश्यक मशीन और उपकरण - इस व्यापार में आपको कुछ जरूरी उपकरणों की भी आवश्यकता होती है, जो आपका व्यापार चलाने के लिए आवश्यक होते है और आपके काम को सरल बनाते है. इस व्यापार में आपको पौधे को पानी देना, उनकी कटाई करना, उन्हे ट्रांसपोर्ट करना आदि रोजाना करना होता है, तो इन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए बाजार में कई तरह के स्वचालित उपकरण मौजूद है, जिन्हें आप अपने काम को आसान बनाने के लिए खरीद सकते है. परंतु इन उपकरणों की खरीददारी और इनका प्रयोग पूर्ण रूप से आपके उद्योग के बजट पर निर्भर करता है.

काम करने वाले मज़दूरों की आवश्यकता - इस व्यापार में आपको कई काम जैसे मिट्टी को तैयार करना, पौधे को लगाना, उनकी कटाई करना, कीटनाशक का छिड़काव करना आदि साथ में करने होते है. इसलिए यह सब अकेले संभव नहीं है इसके लिए आपको अपनी सहायता के लिए अन्य व्यक्ति की आवश्यकता होगी, जिनका चयन आप अपने हिसाब से कर सकते है.

अपने बगीचे में विभिन्न तरह के फूल और पौधों को बीज की सहायता से तैयार करने में बहुत ही मेहनत और समय लगता है. परंतु एक सत्य यह भी है कि एक पौधा बहुत ही कम रख-रखाव, देख-रेख और पैसों से बड़ा हो जाता है. आप इस व्यापार को किसी भी जगह शुरू कर सकते है और अधिकतर व्यक्तियों के द्वारा इसे खरीदे जाने के कारण यह व्यापार मांग में भी बना रहता है और आपको लाभ देता है. प्लांट नर्सरी बिज़नस को तीन प्रकार में विभाजित किया गया है जो इस प्रकार है-

स्ट्रेच प्लांट नर्सरी - स्ट्रेच प्लांट नर्सरी वह नर्सरी है, जिसमें किसी व्यक्ति विशेष को उसकी कमाई के लिए पेड़ बेचे जाते है. इस नर्सरी में वह पौधे बेचे जाते है, जो समान्यत: घरों या ऑफिस के अंदर या बाहर रखे जाते है. यह नर्सरी एक सीमित एरिया में लगाई जाती है और इसमें समान्यत: किसी बड़ी नर्सरी से पौधे खरीदकर पुन: ग्राहक को बेचे जाते है.

व्यापारिक नर्सरी - समान्यत: इस प्रकार कि नर्सरी के लिए आपको बहुत बड़ा निवेश करना होता है. इस प्रकार की नर्सरी में बहुत अधिक संख्या में और बड़े स्तर पर पेड़ तैयार किए जाते है, और यहां तैयार पौधों और बीजों को किसानों को खेती के उद्देश्य के लिए बेचा जाता है. इसके अलावा इस नर्सरी के द्वारा विभिन्न सरकारी प्रोजेक्ट में ट्री प्लांटेशन भी किया जाता है और यही से विभिन्न छोटी नर्सरी में तैयार पौधे भी सप्लाइ किए जाते है.

लैंडस्केप प्लांट नर्सरी - इस प्रकार की नर्सरी में ग्राहको को बागबानी की सेवा उपलब्ध कराई जाती है. यह नर्सरी आपके घरों में उपलब्ध बगीचे में बागबानी की ज़िम्मेदारी लेती है और ग्राहक की पसंद के हिसाब से पौधे तैयार करती है.

आवश्यक योग्यता -

अगर आप अपने व्यापार में सफलता चाहते है, तो आपको उसके संबंध में कुछ सामान्य चीजों का ज्ञान होना आवश्यक है. इसी प्रकार से इस व्यापार में भी आपमें निम्न योग्यता होना आवश्यक है.

इस व्यापार के लिए आपको विभिन्न पौधों के संबंध में पूर्व ज्ञान आवश्यक होता है, ताकि आप उन्हे लगाकर उनकी उचित देखभाल कर पाये.

बहुत सी प्रजाति के पौधों को अलग तरह की सिंचाई, तापमान और देखरेख की जरूरत होती है, इसलिए आपके लिए आवश्यक है, कि आप इस व्यापार को शुरू करने से पहले इसका उचित ज्ञान ले ले.

इसके अलावा अगर आप यह व्यापार शुरू करना चाहते है, तो आपके लिए यह आवश्यक है कि आप इसके लिए आवश्यक विभिन्न उपकरण खरीदने में समर्थ हो, ताकि इसके लिए सिंचाई, निंदाई, कटाई और तापमान नियंत्रण जैसी चीजें संभव हो सके.

इसके अलावा आपको पेड़ों में होने वाली विभिन्न बीमारियों और उसमें प्रयोग होने वाले कीटनाशकों के बारे में भी जानकारी होना आवश्यक है.

इसके अलावा व्यापार को चलाने के लिए आप मे विभिन्न मार्केटिंग और प्रबंधन योग्यता का होना भी आवश्यक है. क्योकि इसके न होने पर आपके द्वारा व्यापार में निवेश किया पैसा व्यर्थ होगा.

आपके सामान को बाजार में बेचना या मार्केटिंग -

कोई भी व्यापार तभी सफल होता है, जब आपके पास उसके लिए पर्याप्त ग्राहक उपलब्ध हो. अगर आपके पास आपके पौधों को उचित दाम में खरीदने वाले ग्राहक ना हो, तो आपका व्यापार और उसमें किया गया निवेश व्यर्थ होता है. इस व्यापार के लिए आप मार्केटिंग के निम्न तरीके अपना सकते है, ताकि आप अपना सामान बेचकर उचित लाभ कमा सके.

सर्वप्रथम आपको अपने आस पास की जगह का निरीक्षण करके यह देखना होगा, कि आपके व्यापार के लिए आपकी जगह में क्या संभावनाएं है. आपको यह देखना होगा कि आपकी जगह में कितने घर और ऑफिस है, जहां आप अपनी सेवा दे सकते है, जहां आप अपने पौधे बेच सकते है.

अपने व्यापार के प्रमोशन के लिए आप विभिन्न पार्टी, शादी समारोह में अपने यहाँ तैयार पौधों के गमलों द्वारा सजावट कर सकते है, जिससे लोगों को आपके व्यापार के बारे में पता चलेगा और आपके ग्राहक बढ़ेंगे.

विभिन्न किसानों को अपने ग्राहक बनाने के लिए आप कुछ गाँवो में जागरूकता सेमिनार आयोजित कर सकते है जिसमें आप उन्हे जैविक खाद बनाने उसके प्रयोग, विभिन्न बीजों कि जानकारी देने के साथ ही अपने व्यापार का प्रमोशन भी कर सकते है.

आप अपने व्यापार में प्रयोग होने वाले सामान जैसे मिट्टी, खाद और अन्य रसायन बाजार में उपलब्ध अन्य सप्लायर के मुक़ाबले कम दामों में देकर भी अपने व्यापार का प्रमोशन कर सकते है.

अपने व्यापार के प्रमोशन के लिए आप किसी फूलों की दूकान वाले से भी संपर्क कर सकते है.

पौधों को उगाकर नर्सरी व्यापार लाभ -

अपनी स्वयं की नर्सरी तैयार करके बाजार में पौधे बेचने का व्यापार आजकल बहुत ही फायदे का सौदा है. अगर आप बहुत छोटे स्तर पर इसे शुरू करते है और बड़ी नर्सरी से पौधे खरीदकर उन्हे ग्राहको को सप्लाइ करते है, तब भी आप कम से कम 20 से 30 हजार तक का लाभ कमा सकते है.

पौधों को उगाकर नर्सरी व्यापार में खर्च -

इसके अलावा बहुत बड़े स्तर पर तैयार की गई नर्सरी में तो व्यापारी सालाना लाखों में कमाई करते है, परंतु इस तरह की नर्सरी को तैयार करने में आपको निवेश भी बहुत अधिक मात्रा में करना होता है.

इस प्रकार आज के समय में नर्सरी का व्यापार एक फायदे का व्यापार है, जिसमें आप निवेश करके लाभ कमा सकते है. परंतु इस व्यापार में आपको बहुत अधिक टाइम देना होता है और इसी के साथ आपको इसके संबंध में उचित ज्ञान होना भी आवश्यक है. तभी आप सफलता हासिल कर सकते है

सब्जियों के लिए नर्सरी स्थापना पौध प्रतिरोपण तथा प्रबंधन

सब्जियों में कुछ फसलें ऐसी हैं जिनके बीज को सीधे खेत में बोया जाता है क्योंकि इन फसलों का रोपा तैयार करके रोपाई के समय जो आघात लगता है उसको सहने की क्षमता नहीं होती। जैसे - भिण्डी, सेम, मटर, फ्रेंचबीन आदि। दूसरी तरफ कुछ फसलें ऐसी हैं जिनके पौध तैयार कर खेत में रोपाई की जा सकती है। जैसे- टमाटर, बैंगन, मिर्च, प्याज, पत्तागोभी, फूलगोभी, गांठगोभी आदि। इन सब्जियों के पौधों में रोपाई के समय लगने वाले आघात को सहने की क्षमता पायी गई है। अत: इन पौधों के बीजों को शुरू में पौधशाला (नर्सरी) में बोया जाता है लेकिन नर्सरी में पौधों को तैयार करना एक कला है।

पौधशाला (नर्सरी)

नर्सरी एक ऐसी स्थल है जिसके लिये आदर्श जलवायु, भूमि तथा सिंचाई व्यवस्था आवश्यक है। नर्सरी का उद्देश्य आदर्श पौधे तैयार करना है। अत: नर्सरी प्रबंध उचित ढंग से करना आवश्यक है। नर्सरी का उचित प्रबंध तथा पौध प्रतिरोपण सब्जी उत्पादन के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं। नर्सरी तैयार करने के लिये निम्न कारकों पर समुचित ध्यान देना आवश्यक है।

सब्जियों की नर्सरी के प्रकार =

1- ऊपर उठी हुई क्यारियां (रेज्ड बेड)=- वर्षा एवं ठंड के मौसम में पौधे तैयार करने हेतु रेज्ड बेड क्यारियां बनाते हैं।

2- समतल क्यारियां (फ्लैट बेड) गर्मी के मौसम में पौधे तैयार करने हेतु समतल क्यारियां बनाते हैं।

सब्जियों की पौध नर्सरी में लगभग एक मीटर चैड़ी क्यारियों में उगाई जाती है। इस हेतु मृदा का अच्छी भौतिक दशा वाला होना आवश्यक है। मिट्टी हल्की भुरभुरी व पानी को सोखने वाली होनी चाहिये। सतह पर जल्दी सूखने वाली होनी चाहियें, पर वैसे एकदम सूख जाने वाली भी होनी चाहिये। उसमें पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व होने चाहिये।

नर्सरी के लिये मृदा तैयार करना

एक समान और अच्छे अंकुरण के लिये मिट्टी का महीन नम और भली-भांति बैठा हुआ होना आवश्यक है। मिट्टी में अच्छी कार्बनिक खाद जैसे-पकी हुई कम्पोस्ट या गोबर की खाद मिलाई जानी चाहिये। गमलों, बक्सों आदि में भरने के लिये उपयुक्त एक अच्छे मिश्रण में 2 भाग मिट्टी, 1 भाग बालू तथा 1 भाग पत्तियों की खाद होनी चाहिये। नर्सरी क्यारियों की मिट्टी को किनारे से दाब कर अच्छी तरह बैठा देना चाहिये अन्यथा वह सिंचाई या भारी वर्षा के कारण कटने लगती है। खुले में बनी क्यारियों की चौड़ाई इतनी होनी चाहिये कि नर्सरी में घुसे बगैर निंदाई करने तथा पानी देने में कठिनाई न हों।

नर्सरी निर्जमीकरण

सर्वप्रथम उपरोक्तानुसार क्यारियां तैयार करने के बाद 10 मि.ली फॉर्मेलिन एक लीटर पानी में मिला कर घोल बना लें। इस घोल को नर्सरी की क्यारियों पर लगातार छिड़कते रहें ताकि क्यारियों की ऊपरी 15 सें.मी. तह की मिट्टी दवा के घोल से संतृप्त हो जाए। छिड़काव के तुरन्त बाद क्यारियों को पॉलिथीन शीट पर अनुपयोगी बोरों से ढंक दें ताकि फॉर्मेलिन व्यर्थ न जाकर मृदा में ही समा जाए। छिड़काव के सात दिन बाद ढंके हुए बोरों या पॉलिथीन शीट को हटा लें। क्यारियों को फावड़े से गुड़ाई कर सात दिनों तक खुला छोड़ दें, तदुपरान्त क्यारियों को समतल करने के बाद ही बीजों की बुवाई की जा सकती है। बुवाई के बाद हाथ से या लकड़ी की छोटी पटिया से क्यारी को समतल कर ताकि बोया हुआ बीज अच्छी तरह से ढक जाय। इसके पश्चात क्यारी पर सूखी घास फैला दे ताकि क्यारी को सींचते समय बीज और मिट्टी बह न जाए। बोने के तुरन्त बाद फव्वारे के रूप में सींच दें।

ज्यादतर सब्जियों के पौध बुवाई के 25 से 30 दिन पश्चात् लगाने लायक हो जाते हैं। सिर्फ प्याज के पौध लगाने के लिये तैयार होने में 45 दिन का समय लगता है।

बीजोपचार:

नर्सरी के बीज बोने से पहले बीज का उपचार थाइरम नामक फफूंदनाशक दवा से किया जाये। बीजोपचार के लिये 2.5 ग्राम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से करना अतिआवश्यक है।

बीज की बुवाई

नर्सरी क्यारियों में बीज बिखेर कर नहीं बोना चाहिए। बीज को पंक्तियों में बोना चाहिए। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बीज बोते समय हवा न बह रही हो। पौधों को सूखने से बचाना चाहिए तथा बीज बोने के बाद बहुत हल्की सिंचाई करनी चाहिए। बुवाई के बाद नव अंकुरित पौधों को आर्द्र पतन रोग से भी काफी डर रहता है। अत: बीजों को पंक्तियों में क्यारी की चौड़ाई में बनी आकार नालियों में बोना चाहिए। बीज बोने के लिये बनाई गई पंक्ति में बीज के आकार और किस्म के अनुसार 5 - 7 सेंमी की दूरी पर बोनी चाहिए। ऐसा करने से खरपतवारों को उखाड़ रोगों की रोकथाम और प्रतिरोपण के लिए पौध निकालने में सुविधा रहती है। बीज कितनी गहराई में डाला जाए यह बीज के आकार और मिट्टी के प्रकार पर निर्भर है।

कुछ छोटे बीजों को बोने से पूर्व थोड़ी सी बालू के साथ मिला लेना चाहिए और बोने के बाद यदि आवश्यक हुआ तो मिट्टी खाद मिश्रण की एक बहुत पतली परत से उसे बंक देना चाहिए। बुवाई के बाद क्यारियों या गमलों में महीन हजारे से इस प्रकार पानी छिड़कना चाहिए ताकि मिट्टी गीली हो जाए पर बहे नहीं।

बुवाई के बाद नर्सरी की देखरेख

नर्सरी क्यारियां आमतौर पर कुंए या पानी के स्त्रोत के पास ही बनाई जाती है जिससे पानी समय पर व आसनी से उपलब्ध हो सके। यदि आरंभिक अवस्था में धूप में बहुत तेजी हो तो दिन में पौधे को हल्की पत्तियों से ढंक कर दोपहर की धूप में पौधे को बचाना चाहिए। जब पौध थोड़ी बड़ी हो जायेगी तो उन्हें अधिक धूप तथा कम पानी देकर मोटा और बौना बनाना और साथ ही कीटों व रोगों से मुक्त रखना चाहिए। ऐसे रोगी पौधों को नर्सरी क्यारियों से तुरन्त निकाल फेंकना चाहिए और रोग को शेष पौध में फैलने से रोकने के लिए अधिक धूप और हवा देनी चाहिए और पानी कम से कम देना चाहिए।

पौधे को सहिष्णु बनाने के लिए प्रतिरोपण से एक सप्ताह पूर्व पौध में सिंचाई बहुत कम करके उन्हें धूप खूब दिखानी चाहिए। ऐसा करने पर वे प्रतिरोपण के फलस्वरूप लगने वाले धक्के को आसनी से सह लेते हैं।

नर्सरी में बीज बुवाई से लाभ

1. नर्सरी के एक छोटे किन्तु घने क्षेत्र में उगी नई कोपल पौध की देखरेख करना सुविधाजनक रहता है।

2. रोगों और कीटों से उनकी रक्षा के लिए समय पर उचित उपचार किया जा सकता है।

3. पौध को नर्सरी में उगने के लिए अनेक परिस्थितियां प्रदान की जा सकती हैं।

4. नर्सरी में तैयार की गई पौध को खेतों में प्रतिरोपण करने से -

0. उनको कुछ समय तक प्रतिकूल परिस्थितियों से सुरक्षा की जा सकती है।

0. अगेती बुवाई करके अच्छे दाम प्राप्त किये जा सकते हैं।

5. इससे भूमि की बचत होती है तथा भूमि तैयार करने के लिए अधिक समय मिल जाता है।

6. सब्जियों के बीज महंगे होते हैं। नर्सरी में उगाने से उनकी बर्बादी नहीं होती है।

7. प्रतिरोपण के बाद नये तैयार खेत में कीटों एवं रोगों की रोकथाम करना सरल होता है।

पौध प्रतिरोपण

पौध प्रतिरोपण जीवित पौधों को एक स्थान से निकालकर दूसरे स्थान पर स्थापित करना है। यह एक वेगवान कार्यवाही है जो उस समय की जानी है जब पौध या तो सुप्त अवस्था में हो अथवा अत्याधिक सक्रिय वृद्धि कर रही हो।

प्रतिरोपण कब करें=

प्रतिरोपण में देरी नहीं करनी चाहिए। जैसे ही पौध 10 - 15 सें.मी. ऊंची हो जाए और उसमें तीन-चार वास्तविक पत्तियां आ जाएं उन्हें प्रतिरोपित कर देना चाहिए।

प्रतिरोपण हमेशा सायंकाल को करना चाहिए ताकि रात्रि के ठंडे वातावरण में पौध भली-भांति स्थापित हो जायें और धूप लगने से पहले ही प्रतिरोपण के धक्के को सहन कर लें। यदि बादल छाये हों और बूंदाबांदी हो रही हो तो प्रतिरोपण किसी भी समय किया जा सकता है। प्रतिरोपण के लिए पौध निकालने से 24 घंटे पूर्व क्यारियों को अवश्यक सींच लेना चाहिए ताकि पौध के उत्तकों का शुष्कीकरण न हो।

प्रतिरोपण कैसे करें

प्रतिरोपण से पूर्व खेत को अच्छी तरह तैयार कर लें। पौधे के चारों ओर की मिट्टी अच्छी तरह बैठी हुई होनी चाहिए जिससे नई लगाई पौध नम मिट्टी के सम्पर्क में रहे और नीचे की नमी पौधों को उपलब्ध हो सके। जड़ों को हिलाए बगैर थोड़ी-सी पौध सावधानीपूर्वक खुरपी की सहायता से निकालनी चाहिए। पौध अलग-अलग कर के खेत में बनाए प्रत्येक गड्ढ़ों में रखकर जड़ के पास की मिट्टी हल्के हाथ से दबा देनी चाहिए ताकि वह ठोस हो जाए। पौध निकालने के बाद प्रतिरोपण का काम यथासंभव शीघ्र समाप्त करना चाहिए। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पौध मुरझाए नहीं। इसके लिए पौध के ऊपर थोड़ी-थोड़ी देर बाद पानी की बूंदें छिड़क देनी चाहिए तथा पौधे की जड़ों को गीली मिट्टी से ढंक कर रखना चाहिए। पौध की पत्तियां तोड़नी नहीं चाहिए। प्रतिरोपण पूरा हो जाने पर खेत को तुरन्त सींचना चाहिए।

प्रतिरोपण के समय बरती जाने वाली सावधानियां

पौध को नर्सरी से इस प्रकार निकालनी चाहिए कि क्षति कम हो। पौध निकालने से पहले क्यारी को भली-भांति सींच लें। आवश्यकता से अधिक पौध न निकालें। पौध निकालने के बाद इसे गीले कपड़े से ढंक कर छाया में रखें ताकि उसमें से पानी का वाष्पीकरण कम से कम हो।

पौध की जड़ के चारों ओर की मिट्टी अच्छी तरह दबा कर ठोस कर लें ताकि पौधे मृदा के निकट सम्पर्क में हो जाएं। दबाव पौधों पर नहीं नीचे की मिट्टी पर डालना चाहिए जिससे मिट्टी मूलतंत्र के चारों ओर भली-भांति दब जाए और जड़ के चारों ओर हवा कर रिक्त स्थान न रह जाए। यह क्रिया विशेषकर बरसात के दिनों में बहुत आवश्यक है।

पौधरोपण के समय कभी-कभी वाष्पीकरण रोकने के लिए पौध की पंक्तियां कम कर दी जाती हैं ताकि जड़ों से सोखे जाने वाले और पत्तियों की कटाई-छंटाई या प्याज में पौध के ऊपरी भाग को वाष्पोत्सर्जन कम करने की दृष्टि से नीचे फेंकना उचित नहीं है। हल्की छंटाई तो लाभदायक हो सकती है परन्तु भारी छंटाई के फलस्वरूप उपज में कमी आ जाती है। कटी हुई सतह से पानी का हास सभी पत्तियों से होने वाले कुल वाष्पोत्सर्जन से होने वाले हास की अपेक्षा अधिक हो सकता है।